सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 321 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 4 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

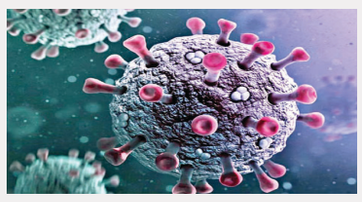

महासमुंद में स्वाइन फ्लू की दस्तक सात मरीज मिले, एक ने तोड़ा दम

महासमुंद। चार मरीज स्वस्थ हो चुके हैं तो वहीं महासमुंद के एक मरीज का होम आइसोलेशन में इलाज जारी है। बसना के एक और मरीज का रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कोरोना महामारी के सदमे से लोग अभी पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं कि अब स्वाइल फ्लू की जिले में एंट्री हो गई है। महासमुंद जिले में स्वाइन फ्लू के सात केस सामने आए हैं। इन केसों में एक व्यक्ति की स्वाइन फ्लू से मौत भी हो गई है। आज सुबह रायपुर के निजी अस्पताल में बसना के 59 वर्षीय एक व्यक्ति की स्वाइन फ्लू के चलते मौत हुई है। जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. छत्रपाल चंद्राकर ने इसकी पुष्टि की है। डॉ. छत्रपाल ने बताया है कि जिले में स्वाइन फ्लू के सात मरीज पाए गए हैं, जिनमें से चार मरीज स्वस्थ हो चुके हैं तो वहीं महासमुंद के एक मरीज का होम आइसोलेशन में इलाज जारी है। बसना के एक और मरीज का रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक व्यक्ति ने आज सुबह रायपुर के निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया है। पॉजिटिव मरीजों की कांटेक्ट ट्रेसिंग की जा रही है।

हालांकि राहत की बात यह है कि जो व्यक्ति स्वाइन फ्लू पॉजीटिव पाए गए हैं उनके कांटेक्ट में आने वाले अन्य कोई भी व्यक्ति, स्वाइन फ्लू के लक्षण में नहीं है। उन्होंने बताया कि कोरोना की तरह स्वाइन फ्लू के भी लक्षण सर्दी-खांसी-बुखार और बदन दर्द जैसे होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वाइन फ्लू का इलाज संभव है। समय रहते टेस्ट के साथ डॉक्टरी परामर्श लेते हुए दवा ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग जिले में स्वाइन फ्लू को लेकर अलर्ट मोड पर है। हर ब्लॉक में ऐसे लक्षण पाए जाने पर तत्काल टेस्ट कराया जा रहा है। महासमुंद मेडिकल कॉलेज में स्पेशल वार्ड के साथ आईसीयू सेंटर भी बनाया गया है।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह के चाचा चैन सिंह का निधन

भोपाल। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने चाचा चैन सिंह चौहान के पास भोपाल में रहकर पांचवीं से लेकर ग्यारहवीं कक्षा तक पढ़ा की थी। शिवराज ने कहा कि वो मेरी शक्ति, भावनात्मक सहारा और प्रेरणा थे। आज वो साथ छूट गया। केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के चाचा चैन सिंह चौहान का बुधवार भोपाल के बंसल अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे, इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वर्गीय चैन सिंह चौहान का अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम जैत में किया जाएगा।

सेना को और मजबूत बनाने का बिग प्लान

हाईटेक युद्धपोत, रडार, अगली पीढ़ी के टैंक.. चीन से मुकाबले के लिए आर्मी-नेवी की बढ़ेगी ताकत

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच, भारतीय सेना और नौसेना को और शक्तिशाली बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। डिफेंस मिनिस्ट्री ने 1 लाख 44 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें भारतीय नौसेना के लिए सात हाईटेक युद्धपोतों का निर्माण भी शामिल है। वहीं भारतीय सेना के पुराने टी-72 टैंकों को मॉडर्न फ्यूचर रेडी कॉम्बैट व्हीकल्स से बदलने का प्रस्ताव भी रखा गया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक अहम बैठक साउथ ब्लॉक में हुई। इसमें चीफऑफडिफेंस स्टाफ, तीनों सेना प्रमुख, रक्षा सचिव और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डिफेंस एक्वीजीशन काउंसिल (डीएसी) ने मंगलवार को 1,44,716 करोड़ रुपए के 10 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। खास बात यह है कि इस राशि का 99 फीसदी हिस्सा स्वदेशी सोर्स से खर्च किया जाएगा। इस फैसले से भारतीय सेना की ताकत में इजाफा होगा और देश आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा। डीएसी ने भारतीय सेना के टैंक बेड़े के आधुनिकी बनाने के लिए फ्यूचर रेडी कॉम्बैट व्हीकल्स की खरीद को मंजूरी दे दी है।

मॉडर्न टैंक, रडार की खरीद को मंजूरी

फ्यूचर रेडी कॉम्बैट व्हीकल्स एक अत्याधुनिक मेन बैटल टैंक होगा। इसमें बेहतर रफ्तार के साथ सभी इलाकों में जाने की क्षमता होगी। ये बहुस्तरीय सुरक्षा, सटीक वार और घातक फायरिंग जैसी विशेषताओं से लैस होगा। इसके अलावा, एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार की खरीद को भी मंजूरी दी गई है। यह रडार हवाई टारगेट का पता लगाएगा और उन पर नजर रखेगा। साथ ही टारगेट पर वार करने में भी मदद प्रदान करेगा।

सेना को और मजबूत बनाने की कवायद

डीएसी ने फॉरवर्ड रिपेयर टीम (ट्रैक्ड) की खरीद को भी मंजूरी दे दी है, जो मशीनीकृत अभियानों के दौरान मौके पर ही रिपेयर करने के लिए उपयुक्त क्रॉस कंट्री मोबिलिटी से लैस होगा। यह उपकरण आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड की ओर से डिजाइन और विकसित किया गया है। यह मशीनीकृत इन्फैंट्री बटालियन और आर्मर्ड रेजिमेंट दोनों के लिए रजिस्टर है।

अगली पीढ़ी के पेट्रोल वेसल्स को मंजूरी

इस बैठक में भारतीय तटरक्षक बल (टीसीजी) की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भी तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इनमें डोर्नियर-228 फ्लाइट की खरीद, खराब मौसम में स्पेशल सुविधाओं वाले नेक्स्ट जेनरेशन फास्ट पेट्रोल वेसल्स की खरीद और उन्नत टेक्निक और लंबी दूरी की परिचालन क्षमता वाले नेक्स्ट जेनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसल्स की खरीद शामिल है। ये सभी टीसीजी की निगरानी, समुद्री क्षेत्र में गश्त, खोज और बचाव के साथ आपदा राहत कार्यों को अंजाम देने की क्षमता को बढ़ाएंगे।

नौसेना का नया हथियार देगा धार

कुछ महीनों पहले डीआरडीओ ने भारतीय नौसेना के लिए वीएल-एसआरएसएएम का सफल परीक्षण किया था। यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। जिसे वर्टिकली लॉन्च करने की सुविधा इसे पनडुब्बी और जहाज में तैनात करने में मदद करती है। लेकिन वायुसेना के लिए यह सुविधा काम की नहीं थी। इसलिए डीआरडीओ ने वायुसेना के फायदे के लिए इसे 8×8 ट्रक माउंटेड सिस्टम पर तैनात कर दिया है। यानी अब इसका इस्तेमाल जमीन से दागने के लिए भी किया जा सकता है। वीएल-एसआरएसएएम का मतलब है वर्टिकल लॉन्च शार्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल। इसकी मारक क्षमता और स्पीड अत्यधिक घातक है। इसलिए यह दुश्मन के राडार में पकड़ नहीं आती। दुश्मन की मिसाइल, विमान हो, हेलिकॉप्टर या ड्रोन हो...उसे गिरा देती है।

इस मिसाइल में स्वदेशी रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगा है जो इसकी सटीकता को और बढ़ाता है। कम ऊंचाई पर उड़ने वाले टारगेट का मतलब होता है कि राडार को चकमा देकर आ रहा विमान, ड्रोन, मिसाइल या हेलिकॉप्टर। यानी भारत को अब दुश्मन इस तरीके से भी चकमा नहीं दे सकताष वीएल-एसआरएसएएम मिसाइल दुश्मन की धज्जियां उड़ा देंगी। इस मिसाइल को बनाने में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेट्री पुणे, रिसर्च सेंटर इमारत हैदराबाद और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पुणे शामिल हैं। इस मिसाइल को युद्धपोतों में लगाया जाएगा, ताकि बराक-1 मिसाइलों को हटाया जा सके। बराक-1 मिसाइल इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज और राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स ने मिलकर बनाई है। वीएल-एसआरएसएएम की रेंज 25 से 30 किमी है। यह अधिकतम 12 किमी की ऊंचाई तक जा सकती है। इसकी गति बराक-1 से दोगुनी ज्यादा है। यह मैक 5556.6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ती है। इसे किसी भी जंगी जहाज से दागा जा सकता है। खासियत ये है कि ये 360 डिग्री में कहीं घूमकर अपने दुश्मन को खत्म करके ही मानती है।

वन रक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा 22 सितम्बर को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख छत्तीसगढ़ के अंतर्गत वन रक्षक पदों पर भर्ती हेतु लिखित परीक्षा 22 सितम्बर को आयोजित की जायेगी। व्यापंम के अधिकारियों ने बताया कि विभागीय शारीरिक दक्षता परीक्षण उपरांत पात्र अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के लिए छत्तीसगढ़ व्यापम बेबसाइट के लिंक में जाकर पंजीयन करना आवश्यक होगा तथा परीक्षा जिला का चयन करना अनिवार्य होगा। व्यापंम पंजीयन नंबर व परीक्षा जिला के चयन के आधार पर ही लिखित परीक्षा हेतु अभ्यर्थी को प्रवेश जारी किया जायेगा, जिस अभ्यर्थी द्वारा छत्तीसगढ़ व्यापम के वेबसाइट में पंजीयन नहीं किया जायेगा उन्हें कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार लिखित परीक्षा से वंचित माना जायेगा व जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी अभ्यर्थी के स्वयं की होगी तथा इस संबंध में कोई पत्रचार स्वीकार नहीं होंगे।

अभ्यर्थी द्वारा पूर्व में जमा किए गए ऑनलाईन आवेदन पत्र में किसी भी तरह का सुधार या संशोधन किए जाने की अनुमति नही होगी। व्यापंम वेबसाइट पर पंजीयन व परीक्षा जिला चयन की अंतिम तिथि 08 सितम्बर 2024 रविवार रात्रि 11.59 बजे तक निर्धारित की गई है। व्यापम की वेबसाइट पर 16 सितम्बर को प्रवेश पत्र जारी कर दी जायेगी। परीक्षा के लिए रायपुर व बिलासपुर में केन्द्र बनाये गए हैं। अधिक जानकारी के लिए व्यापम की वेबसाइट httpsÑ//vyapam.cgstate.gov.in पर अवलोकन किया जा सकता है।

हरियाणा से चुनाव लड़ेंगे बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट! राहुल गांधी से की मुलाकात

जल्द जारी हो सकती है कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल गांधी से दोनों पहलवानों के मुलाकात के बाद से उनकी चुनाव लड़ने की संभावनाएं तेज हो गई है। बता दें कि काफी लंबे समय से ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस इन दोनों स्टार पहलवानों को हरियाणा विधानसभा चुनाव में उतार सकती है।

जल्द खत्म होगा सस्पेंस

हालांकि, कांग्रेस इस बात पर चुप्पी साधे हुए है कि पूनिया और फोगट को मैदान में उतारा जाएगा है या नहीं, जबकि एआईसीसी महासचिव और हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया ने मंगलवार को कहा कि गुरुवार तक इस पर स्पष्टता होगी। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट की राहुल गांधी के साथ मुलाकात की तस्वीर पोस्ट की है।

बता दें कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने मंगलवार तक 90 में से 66 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दे दी है। हालांकि, नामों की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूची एक-दो दिन में जारी हो सकती है। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर 5 अक्टूबर को मतदान होगा और 8 अक्टूबर को मतगणना होगी।

गौरतलब हो कि बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट पूर्व भाजपा सांसद और तत्कालीन भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 2023 में यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे।

दाढ़ी व मूंछ मुंडवाने का दिया फरमान, छात्र ने नहीं माना तो सीनियर्स ने पीटा

बेंगलुरू (एजेंसी)। बेंगलुरु के एक निजी कॉलेज में रैगिंग का मामला सामने आया है। यहां सीनियर छात्रों ने एक जूनियर को दाढ़ी और मूंछ मुंडवाने को कहा। मगर छात्र ने ऐसा नहीं किया। इसके बाद सीनियर छात्रों ने उसके साथ मारपीट की। अब पीड़ित छात्र के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

केरल का रहने वाला है छात्र

एक रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित 21 वर्षीय छात्र के हाथ में प्लास्टर और माथे पर चोट आई है। वह बेलंदूर के कृपानिधि ग्रुप ऑफइंस्टीट्यूशंस का छात्र है। मूलरूप से केरल का रहने वाला है। आरोपियों की पहचान जेवियर, विष्णु और सरथ के रूप में हुई है। ये सभी उसी कॉलेज में पढ़ते हैं।

आरोपियों ने घर की तलाशी भी ली

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पीड़ित छात्र ने बताया कि अप्रैल में आरोपियों ने दाढ़ी और मूंछ मुंडवाने को कहा था। मगर बात नहीं मानने पर लगातार निशाना बनाया गया। आरोपियों ने घर आकर तलाशी भी ली।

सख्त कार्रवाई का आश्वासन

छात्र ने बताया कि एक सीनियर ने शुक्रवार को मिलने की खातिर एक चर्च के पास बुलाया। वहां 10 लोग मौजूद थे। मैं अपने रूममेट के साथ गया था। इस दौरान आरोपियों के समूह ने मुझ पर हमला कर दिया। क्लीन शेव करने पर भी मजबूत किया। इस भी कॉलेज प्रबंधन ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक बेंगलुरु पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 118 , 126, 189 , 190 , 191 और 351 के तहत मामला दर्ज किया है।

नक्सलियों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता मुख्यमंत्री ने दी पुलिस जवानों को बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में पुलिसबल के जवानों द्वारा 09 नक्सलियों के मारे जाने की खबर मिलने पर डीआरजी और सीआरपीएफ के वीर जवानों को बधाई दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित ही यह सुरक्षाबल के जवानों के लिए बड़ी सफलता है। मैं इस अभियान में शामिल सभी सुरक्षा अधिकारियों, जवानों की बहादुरी को सलाम करता हूं और बधाई देता हूं। नक्सलवाद के खात्मे तक हमारी यह लड़ाई जारी रहेगी। ज्ञात हो कि पुलिस की संयुक्त टीम की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में अब तक 09 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। इसके साथ ही बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों द्वारा 13 सक्रिय माओवादियों को गिरफ्तार किए जाने की भी खबर प्राप्त हुई है। देश के गृहमंत्री अमित शाह पिछले दिनों छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए थे। इस दौरान उन्होंने नक्सल उन्मूलन के लिए 6 राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

एमपी के सीएम को पितृशोक, सीएम साय ने जताया गहरा दुख

मुख्यमंत्री श्री साय ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पिता पूनमचंद यादव के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। श्री साय ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री यादव के पिता के निधन की खबर से मुझे गहरा आघात लगा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोक की इस घड़ी में डॉ. मोहन यादव व उनके परिजनो के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्राथना की है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

संपादकीय

बुलडोजर से आगे

कार्यपालिका और न्यायपालिका, दूसरे शब्दों में कहें, तो प्रशासन और न्यायपालिका में कुछ तनाव हमेशा से रहते आए हैं। प्रशासन मानता है कि व्यवस्था की कुछ ऐसी प्रक्रियाएं हैं, जो डर पैदा करके ही आगे बढ़ाई जा सकती हैं। जबकि, न्यायपालिका मानती है कि जो कुछ भी हो, कानून की प्रक्रिया के तहत ही हो। कई बार प्रशासन ऐसे काम करता है, जिसे तत्काल न्याय कहा जाता है। न्यायपालिका का कहना है कि न्याय करने का काम उसका है, नागरिक प्रशासन का नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'बुलडोजर न्याय' पर जो टिप्पणियां की हैं, उनमें इसी तनाव की झलक देखी जा सकती है।

दरअसल, कई बार ऐसे मामलों में गड़बड़ी किसी और तरह से होती है। गैर-कानूनी अचल संपत्ति तो पूरी तरह कानून की प्रक्रिया का पालन करते हुए हटाई जाती है, लेकिन प्रशासन अपनी पीठ थपथपाने के लिए यह कहता है कि उसने आरोपी को मजा चखा दिया। ऐसे मामलों की मीडिया में भी यही कहानियां चलती हैं। इसी से यह छवि बनती है कि 'बुलडोजर न्याय' किया जा रहा है। जरूरी यह है कि ऐसी कार्रवाई करने के लिए सबसे पहले यह बताया जाए कि ढहाई जा रही संपत्ति किस तरह से गैर-कानूनी है और उसके साथ ही, यह भी साफ कर दिया जाए कि संपत्ति को गिराने के लिए किस तरह से कानून की प्रक्रिया का पालन किया गया? अदालत के सामने राजस्थान के उदयपुर का वह मामला भी लाया गया, जिसमें एक स्कूल में छुरेबाजी की घटना हुई और बाद में उस मकान को ढहा दिया गया, जहां वह लड़का रहता था। विडंबना यह कि लड़के के पिता ने वह मकान किराये पर ले रखा था। जस्टिस केवी विश्वनाथ ने कहा कि अगर वह लड़का गलत भी था, तो भी सीधे किसी का घर गिरा देना सही तरीका नहीं है।

> "अदालत ने इस तरीके को अपनाने की कड़ी निंदा की है। अदालत का कहना है कि कोई किसी जघन्य मामले का आरोपी या दोषी ही क्यों न हो, उसे कानून के दायरे में दंडित करने के दूसरे तरीके हो सकते हैं, लेकिन उसके घर को सिर्फइसीलिए गिरा दिया जाना किसी भी तरह से वाजिब नहीं कहा जा सकता। हालांकि, सरकारी वकील ने कहा कि ऐसी ही संपत्तियां गिराई गई हैं, जो गैर-कानूनी हैं। दूसरी तरफ़ उत्तर प्रदेश सरकार ने शपथ पत्र देकर कहा है कि उसने जो भी अचल संपत्तियां हटाई हैं, वे सब कानून की प्रक्रिया का पालन करते हुए हटाई गई हैं।

भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल के तर्कों और उत्तर प्रदेश सरकार के शपथ पत्र को देखते हुए अदालत ने यह भी कहा कि गैर-कानूनी निर्माण को गिराने या हटाने की प्रक्रिया के लिए देश स्तर पर कुछ स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट यदि ऐसे दिशा-निर्देश तैयार करती है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। इससे अभी तक ऐसी कार्रवाई से जो विवाद खड़े होते हैं, वे खत्म किए जा सकेंगे। ठीक यहीं पर एक और मसले को भी उठाया जाना चाहिए। यह बहुत जरूरी है कि तत्काल न्याय के तरीकों को खत्म किया जाए और सभी को अपराध की सजा अदालत की प्रक्रिया से ही मिले, लेकिन हमारी अदालतों में मामले इतने लंबे समय तक चलते हैं और अंतिम फैसला आने में इतनी देरी हो जाती है कि जनता का तबका तत्काल न्याय को ठीक मानने लगता है। इस पर भी कुछ किया जाना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की सोमवार की टिप्पणियां उम्मीद हैं। जब बुलडोजर न्याय मामले में अंतिम फैसला आएगा, तब बहुत सारी धुंध साफहो सकेगी।

नजरिया

विशेषज्ञों को सीधे अधिकारी बना देना कितना लाभकारी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा संयुक्त सचिव और उप सचिव/निदेशक के 45 पदों के लिए विशेषज्ञों की सीधी भर्ती के विज्ञापन निकालने के बाद ऐसा विवाद खड़ा हो गया कि विज्ञापन को रद्द करना पड़ा और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दोहरानी पड़ी। वैसे, भारत सरकार में प्रत्यक्ष भर्ती के सभी मामलों में आरक्षण प्रदान किया जाना चाहिए।

आलोक रंजन,
पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश

आज सवाल यह है कि लेटरल एंट्री का औचित्य क्या है? वर्तमान शासन प्रणाली में क्या समस्या है, जिसे लेटरल एंट्री हल करने की कोशिश कर रही है? इस विचार के पक्षधर यह तर्क देते हैं कि लेटरल एंट्री व्यवस्था के बाहर से नए खून और ताजे विचारों का संचार करेगी, जिससे यह अधिक उपयोगी और जीवंत हो जाएगी। इसके समर्थकों का मानना है कि यह सभी समस्याओं का रामबाण इलाज है, जिसके अभाव में कमतर प्रदर्शन हो रहा है। हालांकि, इसके लिए सिविल सेवक जिम्मेदार नहीं हैं। समस्या यह नहीं है कि उनमें डोमेन ज्ञान की कमी है, बल्कि समस्या नौकरशाही संरचना और सरकारी कार्यप्रणाली में निहित है। सर्वश्रेष्ठ सिविल सेवक, जिन्हें अपने करियर की शुरुआत में उत्साही और गतिशील माना जाता है, वर्षों के साथ- सीएजी, सीवीसी, सीबीआई, कोर्ट (चार सी) के भय के कारण नरम पड़ जाते हैं। अक्सर अधिकारी निर्णय लेने से पहले सुरक्षा-प्रथम दृष्टिकोण अपनाते हैं। समझ में नहीं आता कि यहां एक डोमेन या एक क्षेत्र विशेषज्ञ सिविल सेवक से बेहतर तरीके से कैसे काम कर सकता है?

यह आकलन करना दिलचस्प होगा कि एक संयुक्त सचिव या उप-सचिव कैसे कार्य करते हैं। उनका ज्यादा समय संसदीय मामलों में लगता है। मंत्रियों के लिए जवाब तैयार करने का काम उनके पास प्रमुखता से होता है।

वास्तव में बेहतर सेवा के लिए डोमेन विशेषज्ञता से अधिक नेतृत्व के गुणों की जरूरत होती है। वरिष्ठ स्तर पर एक सिविल सेवक को ही नेतृत्व प्रदान किया जाना चाहिए। अपने प्रशिक्षण के चलते सिविल सेवक उस स्तर तक पहुंचता है, जहां उसके पास ये गुण होने चाहिए। यदि नहीं, तो उसे इन गुणों को विकसित करने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इस संबंध में डोमेन विशेषज्ञ का कोई औचित्य नहीं बनता।

किसी भी स्थिति में उप-सचिव स्तर पर लेटरल एंट्री की कोई उपयोगिता प्रतीत नहीं होती, क्योंकि यह विशेषज्ञ के लिए कोई योगदान करने के लिए बहुत जूनियर पद है। वह बिना किसी प्रभाव के केवल फाइलें आगे बढ़ाएगा। उप-सचिव स्तर पर अधिकारियों की कमी की समस्या है, तो इसके कारणों का पता लगाकर उनका समाधान किया जाना चाहिए। जल्दबाजी में लेटरल एंट्री निश्चित रूप से इसका उत्तर नहीं है।

लोक प्रशासन के विशेषज्ञ पॉल एप्पलबी के शब्दों में, आईएएस अधिकारी के अनुभव की विविधता अच्छी नीतियों के निर्माण के लिए सबसे अनुकूल है। इसके अलावा आप विशेषज्ञता के लिए किस हद तक जाएंगे? एक नेफ्रोलॉजिस्ट या बाल रोग विशेषज्ञ सामान्यत: अपने विशेषज्ञता के क्षेत्र में इतने डूबे होते हैं कि उन्हें स्वास्थ्य नीति पर समग्र दृष्टिकोण अपनाने में कठिनाई होती है, यह काम एक आईएएस अधिकारी कर सकता है। आईएएस अधिकारी के 8-10 वर्षों के अनुभव का कोई विकल्प नहीं है। महज तीस मिनट के साक्षात्कार से आप बेहतर अधिकारी का चयन नहीं कर सकते।

मैं सरकार में विशेषज्ञों के होने के खिलाफ नहीं हूं। विंस्टन चर्चिल के शब्दों में, विशेषज्ञ छोर पर होना चाहिए, शीर्ष पर नहीं । मंत्रालय के सलाहकार के रूप में विशेषज्ञों को रखने की परंपरा है । सलाहकार भी एक भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन उनका सहारा सीमित होना चाहिए। निश्चित रूप से उत्कृष्ट लोगों को उनके विशेषज्ञता के क्षेत्र में सरकार के लिए काम करने के लिए लाया जा सकता है, जैसे नंदन नीलेकणि को आधार कार्ड परियोजना की अध्यक्षता दी गई थी।

सरकार में लेटरल एंट्री ऐसा विचार है, जिस पर गंभीर पुनर्विचार की आवश्यकता है। हमें इस अवधारणा से जुड़े मिथकों से हटकर अच्छे शासन की वास्तविकताओं की ओर बढ़ना चाहिए। वर्तमान सुशासन के संबंध में समस्याएं हैं, पर इसके लिए सही निदान होना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

डंकी रूट से जुड़े संकट एवं दर्द को कौन सुनेगा?

ललित गर्ग

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है।

डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द 'डुंकी' से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना। एक दशक से जारी इस गोरखधंधा-डंकी प्रेक्टिस का तब पर्दाफाश हुआ एवं यह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आया जब इसके अन्तर्गत दिसंबर 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 भारतीय यात्रियों वाले एक चार्टर विमान को रोक दिया था। इनमें से अधिकांश को वापस भारत भेज दिया गया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। डंकी रूट में लिप्त एजेंट अपराधी है, युवा-सपनों को चूर-चूर करने वाले धोखेबाज है। यह दर्द एवं विडम्बना केवल पंजाब की नहीं है, बल्कि गुजरात एवं देश के अन्य भागों के युवाओं की भी है। रोजगार के साथ-साथ शिक्षा सबसे बड़ी वजह है डंकी रूट की। कुछ देशों में तकनीकी तथा अन्य प्रोफेशनल शिक्षा पर भारत के मुकाबले कम खर्च होते हैं इसलिए भी छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं। जिन्हें कम समय में अच्छी कमाई करके अच्छी लाइफ स्टाइल में जीने की ख्वाहिश होती है या फिर जो भारत में किसी क्राइम में शामिल होते हैं वे भी गैरकानूनी तरीका अख्तियार करते हैं।

डंकी रूट के ज़रिए लोग अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अवैध तरीके से प्रवेश करते हैं। इस रास्ते में कई जानलेवा खतरों का सामना करना पड़ता है। कई बार, अवैध तरीके से एंट्री करने के दौरान लोगों की मौत भी हो जाती है। साल 2022 में, अमेरिका-कनाडा बॉर्डर से 10 मीटर की दूरी पर एक गुजराती परिवार की लाश मिली थी, यह परिवार बर्फीले तूफ़ान की चपेट में आ गया था। इसी साल अप्रैल में, एक और गुजराती परिवार की मौत हो गई थी। अमेरिका में एंट्री से पहले ही सेंट लॉरेंस नदी में उनकी बोट डूब गई थी। इस घटना में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे मारे गए थे। युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे शासन तंत्र की नाकामी ही है। यदि ऐसे एजेंट समय रहते कानून व्यवस्था के शिकंजे में फंस गये होते तो युवा ठगी के शिकार न बनते। आखिर हम अपने युवाओं को देश में सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं दे पा रहे हैं? भारत सरकार अन्य देशों के साथ मिलकर युवाओं को धोखे से विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? निस्संदेह, विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से दलाली-ठगी करने वाले इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का खातमा करना अपेक्षित है। एशिया, यूरोप व मध्य अमेरिका तक दलालों के जाल बिछे हैं।

शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' में इस समस्या को उभारा गया है। इस फिल्म में अवैध तरीके से विदेश जाने के तरीके को एवं उसमें होने वाली परेशानियों को दिखाया गया है। मूवी दिखाती है कि सात समंदर पार जाने का सपना लिए लोग कैसे-कैसे अवैध तरीके अपनाते हैं, कितनी दुश्वारियां और कितना पैसा खर्च कर देते हैं। 'डंकी रूट' एक विकराल होती समस्या है। भारत में बढ़ती बेरोजगारी जहां इस समस्या का बड़ा कारण है, वहीं किस तरह युवा भी धैर्य व कठिन परिश्रम के बजाय रातोंरात अमीर बनने के सपने सजोते हुए इन संकटों को आमंत्रित करते हैं। आखिर क्या वजह है कि मां-बाप जमीन बेचकर व अपने गहने-मकान गिरवी रखकर बच्चों को विदेश भेजने को आतुर हैं? आखिर सुनहरे सपनों की चकाचौंध में हमारे युवा दलालों के हाथों के खिलौने क्यों बन रहे हैं? अमेरिका एवं अन्य देशों में जाने के सम्मोहन में अपने जीवन को इस तरह जोखिम में डालना युवा क्यों उचित मानते हैं? पिछले दिनों दलालों ने देश के युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर युद्धरत रूस की फौज में भी भर्ती करवा दिया। कई युवाओं के युद्ध में मरने की खबरें भी आई। दरअसल, युवाओं की इस बदहाली की वजह भ्रष्ट व बेईमान ट्रैवल एजेंट तो हैं ही, हमारी सरकारें भी इसके लिये कम जिम्मेदार नहीं है।

हाल ही में डंकी यात्रा पूरी करने वाले लोगों के परिवारों ने बताया कि मानव तस्कर अक्सर नई दिल्ली और मुंबई से प्रवासियों को पर्यटक वीजा पर संयुक्त अरब अमीरात ले जाते हैं। फिर वे वेनेजुएला, निकारागुआ और ग्वाटेमाला जैसे लैटिन अमेरिका के एक दर्जन से ज्यादा ट्रांजिट बिंदुओं से गुजरते हुए अमेरिका-मेक्सिको सीमा तक पहुंचते हैं। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच साल में दो लाख से ज्यादा भारतीय अवैध तरीके से अमेरिका में घुसते हुए पकड़े गए हैं। ऐसे मामले उजागर होने के तुरंत बाद कुछ गिरफ्तारियां इस बड़े संकट का समाधान नहीं है। इन आपराधिक कृत्यों में लिप्त एजेंट कुछ समय के लिये चुप बैठकर फिर से अपने नापाक खेल में सक्रिय हो जाते हैं। वैसे वे युवा भी कम दोषी नहीं हैं जो वास्तविक स्थिति को जाने बिना शॉर्टकट रास्ते के लिये दलालों को पैसे देने को तैयार हो जाते हैं। दरअसल, विदेश जाने के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक चैनल को दरकिनार करने के खतरों के बारे में भी बताना चाहिए। इसके लिये उन्हें सचेत करने के मकसद से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में 60 हजार कांस्टेबल की भर्ती के लिये 48 लाख से भी अधिक युवा-प्रार्थियों ने आवेदन किया है। थक-हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों एवं परेशानियों की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। एक शख्स के अनुसार उसका भतीजा कैलिफोर्निया में एक डेयरी फार्म में प्रतिदिन लगभग 100 डॉलर कमाता है, जबकि यहां भारत में वह वही काम करके एक महीने में 6,000 रुपये कमाता था। रिश्तेदारों के मुताबिक, इस धन से न केवल उन्हें कर्ज उतारने, स्कूल की फीस भरने, दहेज, घर की मरम्मत और नई कार खरीदने में मदद मिली, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति भी सुधरी। माना जाता है कि हाल के वर्षों में देखे गए वीजा बैकलॉग ने भी कुछ संभावित प्रवासियों को डंकी रूट अपनाने के लिए प्रेरित किया है। संभावित प्रवासियों के लिए यह निर्णय भारी कीमत और बहुत बड़े जोखिम के साथ आता है। विडम्बना देखिये कि मुट्ठी भर डंकी प्रवासियों की सफलता की कहानियां बहुसंख्यकों को गुमराह करती हैं। हर कोई प्रवास के लाभों के बारे में बात करता रहता है, लेकिन कोई भी समस्याओं और चुनौतियों के बारे में बात नहीं करता।

(ये लेखक के विचार हैं)

लाइट मेट्रो ट्रेन मतलब श्रेय में हिस्सेदारी तो हो

जब भी किसी राज्य में कोई बड़ा और नया काम होना होता है तो सत्ता में बैठे लोगों की बड़ी इच्छा होती है कि उसके साथ मेरा नाम जुड़ा रहे। उस काम को राज्य व शहर के लोग कभी याद करें तो उनका नाम भी लिया जाए कि इस काम के लिए तो फलां नेता ने भी बड़ी कोशिश की थी। मेट्रो लाइट ट्रेन एक ऐसा ही नया व बड़ा काम है जो राज्य की राजधानी में होना है। मेट्रो ट्रेन का सपना राज्य के जनप्रतिनिधि पिछले एक दशक से ज्यादा समय हो गया,राज्य व राजधानी के लोगों को दिखा रहे हैं।

11 साल पहले भी जब रायपुर में कांग्रेस की महापौर थी, तब मेट्रो चलाने के लिए दिल्ली से दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन के डायरेक्टर यहां आए थे। अब फिर एक बार रायपुर के महापौर कांग्रेस हैं और वह शहर के लोगों को बता रहे हैं कि वह तो रायपुर में लाइट मेट्रो ट्रेन चलाने के लिए रूस जाकर वहां एमओयू साइन करके आ गए हैं।उनका कहना है कि मास्को में हुए अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट समिट 160 देशों ने भाग लिया था।भारत से इस समिट मे शामिल होने वाला मैं इकलौता व्यक्ति था।मैं हमेशा से महसूस करता था कि रायपुर शहर को लाइट मेट्रो ट्रेन की जरूरत है।मास्कों में मैंने रायपुर में लाइट मेट्रो ट्रेन चलाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। महापौर ने जब पहली बार मास्को से लौटने पर इस बात की जानकारी प्रेस वार्ता कर दी थी तो भाजपा वालों ने उनकी जमकर आलोचना की थी कि यह एमओयू अवैध है, महापौर की मास्को यात्रा तो उनकी निजी यात्रा थी। वहां उनको किसी एमओयू पर दस्तखत करने का अधिकार ही नहीं है। माना जाता है कि राज्य व केंद्र सरकार की बिना अनुमति के इस तरह एमओयू नहीं किया जा सकता।महापौर ने अपने निजी दौरे में अपने कार्यक्षेत्र से बाहर जाकर काम किया है।वह मास्को गए तो केंद्र व राज्य सरकार ने कोई अनुमति भी नहीं ली थी।

यह तो सच है कि महापौर एजाज ढेबर रूस गए थे, उनको रूस की सरकार ने निमंत्रण भेजा था। यह भी सच है कि उनकी मास्को यात्रा आधिकारिक यात्रा नहीं थी, अगर आधिकारिक यात्रा होती तो संबंधित विभाग व सीएम से अनुमति ली होती। उन्होंने ऐसा नहीं किया है, इसलिए माना तो यही जाएगा कि वह मास्को अधिकारिक यात्रा पर नहीं गए थे इसलिए उनका एमओयू भी अवैध ही माना जाएगा। महापौर अपनी दूसरी पत्रवार्ता में स्वीकार कर रहे हैं कि भले ही उन्होंने मास्कों जाकर लाइट मेट्रो रायपुर में चलाने के लिए एमओयू किया है लेकिन अगले एमओयू में भाजपा सरकार को ही तय करना है कि लाइट मेट्रो पर क्या फैसला लेना है। उन्होंने यह भी बताया है कि 15 नवंबर के आसपास मास्को की टीम रायपुर आ सकती है।सब जानते हैं कि महापौर का कार्यकाल कुछ ही महीने बचा है। उसके बाद चुनाव होने हैं तो चुनाव में कुछ तो बताना होगा कि उनके कार्यकाल में क्या बड़े काम हुए हैं। अब सरकार उनके एमओयू का माने या न माने वह चुनाव में कह तो सकते हैं कि उन्होंने रायपुर में लाइट मेट्रो चलाने के लिए मास्कों जाकर एमओयू किया था। वह सबूत के तौर पर यह भी बता सकते हैं कि रायपुर निगम बजट में रायपुर में मेट्रो ट्रेन चलाने के लिए प्रस्ताव भी दिया था।

महापौर एजाज ढेबर ने गेंद भाजपा सरकार के पाले में डाल दी है।अब सरकार लाइट मेट्रो ट्रेन चलाती है तो उसका श्रेय कांग्रेस और एजाज ढेबर लेंगे, यदि सरकार इसके लिए कोई प्रयास नहीं करती है तो भी कांग्रेस अगले निगम चुनाव तथा उसके बाद भी रायपुर में लाइट मेट्रो नहीं चलने के लिए भी भाजपा सरकार को ही दोषी बताएंगे।कांग्रेस और कांग्रेस नेता हमेशा कुछ न कुछ ऐसा अपने समय में करते हैं कि वह जब वह बड़ा व नया का शुरू हो और पूरा हो तो उसका श्रेय वह ले सकें। कांग्रेस के समय शिलान्यास भी किसी काम का हुआ हो तो कांग्रेस व नेता उसका श्रेय ले लेते हैं तो रायपुर में लाइट मेट्रो ट्रेन चलना तो बहुत बड़ा काम है और पहली बार होगा, साय सरकार के समय नहीं होगा तो कभी न कभी होगा इसलिए कांग्रेस महापौर व कांग्रेस ने अभी से पूरी तैयारी कर रखी है कि इसका श्रेय अकेले भाजपा को न मिले, इसका श्रेय कांग्रेस को भी मिले। महापौर जो प्रेस वार्ता के बाद प्रेस वार्ता कर रहे हैं तो उसका एक ही मकसद है कि इसका कुछ तो श्रेय महापौर होने के नाते उनको भी मिले। वह चाहते तो पांच साल में महापौर रहते कांग्रेस सरकार के समय इस पर ठोस काम कर सकते थे, लेकिन मेट्रो ट्रेन का काम कांग्रेस को कराना नहीं था, इसलिए कुछ किया ही नहीं गया। कांग्रेस बिना काम के श्रेय लेना चाहती है और भाजपा उसे अपने किसी काम का श्रेय लेने नहीं देना चाहती है।

(ये लेखक के विचार हैं)

राज्यों के विधानसभा चुनाव

अजय दीक्षित

पिछले दिनों चुनाव आयोग ने हरियाणा और जम्मू कश्मीर में चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है, परन्तु उसने झारखण्ड और महाराष्ट्र के चुनावों की तारीखें नहीं बतलाई। पिछली बार हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव एक साथ हुये थे। चुनाव आयोग पर आरोप है कि वह केन्द्र की सरकार के दबाव में काम करता है। महाराष्ट्र में भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। अजित पवार फैन्स (दीवार के किनारे) बैठे हैं। वे शरद पवार के निकट भी बने रहना चाहते हैं। यूं अभी वे शिंदे की सरकार में उप मुख्यमंत्री हैं। अगली बार भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनायेगी। यह बात शिंदे गुट के शिवसेना को पसंद नहीं होगी। राज ठाकरे भी अपनी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ चुनाव में उतरना चाहता है। झारखण्ड में भाजपा की स्थिति कुछ बेहतर है। चम्बई को भाजपा अपने में मिलाना चाहती थी पर चम्बई सोरेन ने अपनी अलग पार्टी बनाने की घोषणा कर दी। उत्तरप्रदेश की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीखें भी घोषित नहीं हुई है जबकि राज्य की विधानसभा का कार्यकाल कुछ ज्यादा नहीं बचा है।

जम्मू कश्मीर नेशनल कान्फ्रेंस व कांग्रेस का गठजोड़ हो रहा है । इस बार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह कांग्रेस से दस सवाल पूछ रहे हैं कि क्या वह 370 और 35ए को बहाल करेंगे। क्या पाकिस्तान के प्रति उनका क्या रुख है? क्या वह कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिये जाने के पक्ष में हैं, आदि आदि। परन्तु विपक्ष उनसे पूछ रहा है कि उमर अब्दुल्ला वाजपेयी जी के काल में विदेश मंत्री थे। विदेश मंत्री को भारत की अखण्डता का नक्शा दुनिया के सामने रखना पड़ता है। स्मृति ईरानी और शाह कांग्रेस से सवाल पूछ रहे हैं तो इण्डिया गठबन्धन भी भाजपा से सवाल पूछ रहा है कि पीडीपी के साथ भाजपा ने कश्मीर में सरकार कैसे बनाई थी। मेहबूबा मुफ्ती की पीडीपी ने भी अपने घोषणा पत्र में पुन: कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिलाया जायेगा। असल में भाजपा से भी कुछ असुविधाजनक सवाल पूछे जा रहे हैं। मेहबूबा के मुख्यमंत्री काल में भाजपा उप मुख्यमंत्री रहीं है। असल में अभी भी कश्मीर में सब कुछ ठीक नहीं है। हर दिन पाकिस्तान से आतंकवादी घुसपैठ करते हैं। बहुत से सेना के अधिकारी और सोल्जर शहीद हो चुके हैं।

मोहन भागवत ने पिछले दिनों कहा था कि विपक्ष को अपना विरोधी न मानकर उसे प्रतिपक्ष कहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि काम तो करो पर यह अभिमान मत पालो कि मैंने किया था। इधर लग रहा है कि भाजपा को कई मामलों में अपने पैर खींचने पड़ रहे हैं। लैटरल इंट्री वाला विज्ञापन वापिस लेना पड़ा। कई विधेयकों को वापस लेना पड़ता है या होल्ड पर डाल दिया जाता है। मुस्लिम बिल को पार्लियामेंट कमेटी को भेजना पड़ा है। कश्मीर के मसले पर यदि भाजपा कांग्रेस को घेरती है तो विपक्ष भाजपा और पीडीपी के साथ उसके सम्बन्धों को उजागर करेगी। यूं तो सभी टी.वी. चैनल प्रो सरकार हैं यानि प्रो भाजपा। पहले एनडीटीवी पर रवीश कुमार का प्रोग्राम आता था। अब एनडीटीवी अडानी ग्रुप के पास है, अत: रातोंरात रवीश कुमार की छुट्टी कर दी गई। लोग कहते हैं कि अमित शाह ने मुफ्ती मेहबूबा को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया था। यूं प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह किसी को फूलों का गुलदस्ता भेंट नहीं करते। वे तो प्राप्त करते हैं।

असल में वर्तमान की घटना भविष्य में क्या रूप लेगी यह किसी को नहीं मालूम। कहते हैं कि भविष्य पुराण में भविष्य का सभी कुछ वर्णित है। पर यह शायद राजनीति पर लागू नहीं होता। चुनाव में जीत हार का असर देश में जो तरक्की हो रही है, उसे पर नहीं पड़ना चाहिए। इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को कुछ कदम बढ़ाकर पास-पास आना होगा। यही भारत का भविष्य है।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

परिवार का कोई भी सदस्य राशन कार्ड प्राप्त कर सकता है, जिसका नाम राशन कार्ड में दर्ज होना चाहिए

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र राशन कार्ड का नवीनीकरण किया गया है। हितग्राही अपने पुराने राशन कार्ड को राशन दुकान में जमा कर नवीनीकृत राशन कार्ड प्राप्त कर सकते है। सभी राशन दुकानो को हितग्राही के राशन कार्ड का पीडीएफ भी वितरण करने दिया गया है। जहां पर जाकर परिवार का कोई भी सदस्य जिसका नाम राशन कार्ड में दर्ज है। अपना पुराना राशन कार्ड जमा कर नवीन राशन कार्ड प्राप्त कर सकते है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर राशन कार्ड वितरण करने कर्मचारियों की डयूटी भी लगाई गई है। जिससे निगम भिलाई क्षेत्र में राशन कार्डधारियों को राशन कार्ड आसानी से वितरण किया जा सके। निगम भिलाई क्षेत्र के राशन कार्डधारी अपने वार्ड एवं क्षेत्र के नजदीकी राशन दुकान जाकर अपना नवीन राशन कार्ड प्राप्त कर सकते है। यह राशन कार्ड पुरी तरह से नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। जिससे उन्हे पुराने राशन कार्ड के जगह नवीन राशन कार्ड वितरण किया जा सके। इसके लिए निगम के कर्मचारियो के साथ आंगनबाड़ी कार्यकता एवं मितानीनो की डयूटी लगाई गई है। महापौर नीरज पाल ने क्षेत्र के नागरिको से अपील की है कि नागरिक अपना नवीन राशन कार्ड जल्द से जल्द प्राप्त कर ले। जिससे उन्हे राशन की दुकानो में जाकर राशन छुड़ाने में किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो। यह राशन कार्ड उनके सुविधा के लिए ही दिया जा रहा है।

कलश यात्रा के साथ आज से प्रारंभ होगा स्वर्ण जयंती महोत्सव

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग में स्थित भगवान द्वारकाधीश के अवतार श्री बाबा रामदेव मंदिर, गंजपारा, दुर्ग का स्वर्ण जयंती महोत्सव (50वां वर्ष) एवं बाबा रामदेव जी का जन्मोत्सव 4 से 15 सितंबर तक बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। स्वर्ण जयंती महोत्सव का शुभारंभ बुधवार 4 सितंबर को दोपहर 3 बजे श्री सीताराम मन्दिर, गाँधी चौक, दुर्ग से भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। सकल समाज की महिलाओं द्वारा कलश यात्रा की तैयारी पूर्ण कर ली गयी है, कलश यात्रा में सभी समाज की महिलाएं सैकड़ों की संख्या में कलश उठा रही है, कलश यात्रा दोपहर 3 बजे श्री राम मंदिर गांधी चौक से प्रारंभ होगी जो सदर बाजार, मोती काम्प्लेक्स, पुराना बस स्टैंड तहसील आफिस चौक, भाजपा कार्यालय के सामने से शनिचरी बाजार से सत्तीचौरा होते हुए श्री बाबा रामदेव मंदिर गंजपारा पहुचेगी। कलश यात्रा के पश्चात संध्या 6.30 बजे ध्वजारोहण एवम बाबा रामदेव जी की महाआरती की जावेगी। ततपश्चात संध्या 6.30 बजे श्री बाबा रामदेव मंदिर के निर्माण के आधार स्तंभो का सम्मान समारोह आयोजित किया गया है जिसमें मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से लेकर आज तक के मंदिर में सहयोग एवम अपना विशेष समय देने वाले सम्मानित जनों का सम्मान किया जावेगा।

शिक्षक दिवस पर बीएसपी करेगी शिक्षकों को सम्मानित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा 5 सितम्बर 2024 को भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में संध्या 5:00 बजे से शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। महान दार्शनिक एवं शिक्षाविद डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। शिक्षक दिवस समारोह में संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। शिक्षक दिवस के अवसर पर संयंत्र एवं सम्बद्ध निजी विद्यालयों के प्रतिभावान शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करने के लिए इस दिन को षिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। हमारे जीवन में शिक्षकों का महत्व केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है। वे हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हमें अच्छा इंसान बनने में मदद करते हैं। शिक्षक दिवस हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम अपने शिक्षकों का आभार व्यक्त कर सकें और उनके द्वारा दिए गए ज्ञान को अपने जीवन में उतार सकें।

वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के 24 उत्कृष्ट शिक्षकों राज्यपाल ने किया सम्मान

शिक्षकों के मेहनत और समर्पण से राज्य में शिक्षा का स्तर हुआ ऊंचा: राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस 5 सितंबर के उपलक्ष्य में वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। महामहिम राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के 24 उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान किया गया। राज्यपाल डेका ने अपने करकमलों से शिक्षकों को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरूण साव, पूर्व मंत्री रमशीला साहू और क्षेत्रीय विधायक रिकेश सेन भी मौजूद थे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यपाल डेका ने कहा कि शिक्षक सम्मान समारोह में उपस्थित होना मेरे लिये एक द्वितीय अनुभव है। शिक्षक की भूमिका अब सिर्फ ज्ञान देने तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों और समाज की जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक भी बनाएं। राज्यपाल ने कहा कि यह गर्व की बात है कि शिक्षकों के मेहनत और समर्पण के कारण राज्य में शिक्षा का स्तर निरंतर ऊंचा हो रहा है। आप सभी ने जिस प्रकार से अब तक विद्यार्थियों को शिक्षित और सशक्त बनाया है, उसी समर्पण और निष्ठा से आगे भी अपने कर्तव्यों का पालन करें। आप केवल शिक्षा ही नहीं दे रहे हैं, बल्कि विद्यार्थियों को एक बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में भी अग्रसर कर रहे हैं। शिक्षकों का योगदान समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि अंग्रेजी भाषा में पढ़ने वाले ही अच्छे विद्यार्थी हो, विद्यार्थी के लिए मातृभाषा का ज्ञान भी जरूरी है। राज्यपाल ने सम्मान समारोह में सम्मानित सभी शिक्षकों को बधाई दिया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि पौराणिक काल से समाज में शिक्षकों का सम्मान हैं। विद्यार्थियों को सही ज्ञान प्रदान कर राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने शिक्षकों से वर्तमान परिवेश में विद्यार्थियों की भावनाओं को समझकर विद्यार्थियों में आत्म-विश्वास जागृत करने हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने अपने स्वागत उद्बोधन में आयोजन के उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक तथा संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, आईजी आर जी गर्ग, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी, एस.पी. जितेन्द्र शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थी।

प्रदेश में बढ़ते अपराध को लेकर कांग्रेसजनों ने किया मौन प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था एवं महिलाओं के साथ लगातार हो रहै बलात्कार एवं यौन शोषण के मामले को लेकर कांग्रेस हमलावर है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्णय के बाद कल दुर्ग जिले में संयुक्त प्रेसवार्ता कर सरकार से सवाल करने के बाद मंगलवार को कांग्रेसजनों ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा के नेतृत्व में गांधी प्रतिमा के समक्ष मौन प्रदर्शन करते हुए प्रदेश सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की।

पूर्व महापौर आर एन वर्मा, महापौर धीरज बाकलीवाल, राजेन्द्र साहू, सभापति राजेश यादव एवं ब्लॉक अध्यक्षों व बड़ी संख्या में मौजूद महिलाओं के समक्ष पूर्व विधायक अरुण वोरा ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब से भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में सत्ता की बागडोर संभाली है आपराधिक घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिल रही है। विशेष तौर पर महिलाओं के लिए प्रदेश बेहद असुरक्षित हो गया है। 9 माह में 600 से अधिक घटनाएं सामान्य बात नहीं है। अधिक उम्र की महिलाएं हों, कॉलेज की छात्राएं हों या स्कूल की छोटी बच्चियां कोई भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। भोले भाले प्रदेश को अपराध के गढ़ में तब्दील नहीं होने दिया जाएगा कमोबेश भारतीय जनता पार्टी को केवल विपक्ष द्वारा शासित राज्यों में ही महिला सुरक्षा की चिंता है जबकि छत्तीसगढ़ में बिलासपुर, अम्बिकापुर, जशपुर, बस्तर, रायगढ़ यहां तक कि राजधानी रायपुर में हुई घटना पर लीपापोती कर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। कथित तौर पर डीपीएस स्कूल का मामला दबाया जाना बेहद गंभीर विषय है। भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं की सुरक्षा भगवान भरोसे चल रही है ऐसे गंभीर विषयों पर दोहरा मापदंड बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री को सद्बुद्धि देने समस्त प्रदेश वासी प्रार्थना कर रहे हैं प्रधानमंत्री व केंद्रीय गृह मंत्री को भी इन विषयों पर स्वत: संज्ञान लेना चाहिए। वोरा ने राजनैतिक प्रदर्शनों के दौरान पुलिस द्वारा की जा रही एकतरफा बर्बरता पूर्ण कार्यवाही को भी दुर्भाग्यजनक और कायराना बताया। उन्होंने कहा कि जनता के हितों की रक्षा करने कांग्रेस लगातार आवाज उठाती रहेगी विपक्ष की आवाज आमजनों की आवाज है जिसे दबाया नहीं जाना चाहिए।

निगम प्रशासन ने 04 कर्मचारियों को दी स-सम्मान विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम में 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 04 कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई। गौरतलब है निगम सभागार में सोमवार को 04 कर्मचारियों को बिदाई दी गई।

निगम प्रशासन की ओर से कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किए। इसके पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने भिलाई निगम में सेवाकाल के दौरान कार्य एवं अनुभव को साझा करते हुए सभी को सामंजस्य बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित किए। सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी जनगणना विभाग से सहायक ग्रेड-02 शोभा चैबे, जोन क्रमांक 03 से सहायक ग्रेड-02 पूरन लाल चन्द्राकर, पम्प सहायक सुनील कुमार अग्रवाल एवं सफाई कामगार मनटोरा बाई को निगम प्रशासन की ओर से स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इन सभी कर्मचारियो को निगम के सभागार में 02 सितम्बर 2024 को बिदाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किये।

बिदाई कार्यक्रम में स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, स्थापना अधीक्षक बसंत देवांगन, युनियन के पदाधिकारी संजय शर्मा, शरद दुबे, शशिभूषण मोहंती, वामन राव, नलनिश मिश्रा, पुरूषोत्तम साहू, राजसक्कर, रीता चतुर्वेदी सहित निगम के अधिकारी कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ईएमएमएस ने बीएसपी इंटर स्कूल कॉम्पिटिशन स्पेलिंग का सरताज में जीता प्रथम पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित बीएसपी इंटर स्कूल स्पेलिंग का सरताज 2024-25 प्रतियोगिता में इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल, सेक्टर-9 ने अंग्रेजी और हिंदी दोनों श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे तथा ईएमएमएस, सेक्टर-9 की प्रधानाध्यापिका संगीता सागर के कुशल मार्गदर्शन में शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के सहयोग से आयोजित की गई थी।

इंटर स्कूल प्रतियोगिता में बीएसपी के 7 मिडिल स्कूलों से विद्यार्थियों की टीम ने भाग लिया था। बीएसपी इंटर स्कूल स्पेलिंग का सरताज 2024-25 प्रतियोगिता के अंग्रेजी श्रेणी में प्रथम स्थान ईएमएमएस, सेक्टर-9 के वैदिक साहू एवं आर्यन मसीह की टीम ने, द्वितीय स्थान बीएसपी ईएमएमएस 1 विद्यालय के जोया मोइन और शेख अयान अहमद की टीम ने तथा तृतीय स्थान भिलाई इस्पात

विकास विद्यालय (बीआईवीवी) - सेक्टर 6 के गरिमा निसाद और चंचल निर्मलकर की टीम ने प्राप्त किया।

इसी प्रकार बीएसपी इंटर स्कूल स्पेलिंग का सरताज 2024-25 प्रतियोगिता के हिन्दी श्रेणी में प्रथम स्थान ईएमएमएस, सेक्टर-9 के नुपूर कौशिक ने, द्वितीय स्थान ईएमएमएस, सेक्टर-6 के चैतन्य निर्मलकर ने तथा तृतीय स्थान ईएमएमएस, सेक्टर-7 के मोहित निगम ने प्राप्त किया। इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल, सेक्टर-9 में इंटर स्कूल स्पेलिंग का सरताज 2024-25 कॉम्पिटिशन का आयोजन 2 श्रेणियों अंग्रेजी और हिंदी में किया गया था। स्पेलिंग का सरताज 2024-25 कॉम्पिटिशन में हिंदी माध्यम के लिए व्याख्याता, ईएमएमएस सेक्टर-9 एस के तम्बोली ने (स्पेल-बी मास्टर) निर्णायक की भूमिका निभाई। हिंदी माध्यम के लिए समन्वयक के रूप में सुपर्णा रुद्र ने अपना योगदान दिया।

स्पेलिंग का सरताज 2024 कॉम्पिटिशन में अंग्रेजी माध्यम हेतु सहायक महाप्रबंधक (जनसंपर्क) अपर्णा चंद्रा ने (स्पेल-बी मास्टर) निर्णायक की भूमिका निभाई। कॉम्पिटिशन में सुनीता अनिल ने अंग्रेजी माध्यम की समन्वयक के रूप में अपना योगदान दिया। ईएमएमएस सेक्टर-9 की व्याख्याता एलिजाबेथ सागर और जया कृष्ण कुमार ने प्रतिभागियों के मूल्यांकन में मदद की और प्रतियोगिता के सफल आयोजन में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम में उपस्थित कनिष्ठ प्रबंधक पवन कुमार अग्रवाल द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। प्रतियोगिता में अतिथियों का परिचय कराते हुए सुश्री महुवा चटर्जी ने सभी का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन सुश्री सुनीता अनिल द्वारा दिया गया।

नगर सेवाएँ विभाग में राजभाषा कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग में राजभाषा विभाग के सहयोग से राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक दिनेश कुमार थे। महाप्रबंधक दिनेश कुमार ने अपने उद्बोधन में प्रतियोगिता के समस्त विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अन्य समस्त कार्मिकों को भी हिंदी में शत-प्रतिशत कार्यालयीन कार्य करने के लिए सहायता करना होगा।

उन्होंने कहा कि, नगर सेवाएँ विभाग को संयंत्र स्तर पर हिंदी में सराहनीय कार्यों के लिये लगातार वार्षिक राजभाषा वैजयंती पुरस्कार मिलता रहा है, हमें उत्कृष्टता का यह क्रम लगातार बनाए रखना है साथ ही इसे और भी उच्च स्तर पर लेकर जाना है। हिंदी में काम करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है, हिंदी में कार्यालयीन कामकाज तथा संपूर्ण कार्यव्यवहार करना हमें गर्व तथा आत्मसंतुष्टि देता है, हिंदी बोलने-लिखने से कार्यों में सरलता होती है तथा सहकर्मियों से हिंदी में बात करने से हमें आत्मीयता की अनुभूति होती है। कार्यक्रम में विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सहायक महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ) एवं विभागीय राजभाषा समन्वय अधिकारी यशवंत कुमार साहू ने बताया कि विभाग द्वारा शत-प्रतिशत पत्राचार तथा समस्त कार्यालयीन कामकाज हिंदी में किया जा रहा है। हिंदी में कामकाज को प्रोत्साहन के लिये विभागीय स्तर पर नियमित रूप से विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं, तथा राजभाषा के सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया जाता है।

कार्यक्रम में राजभाषा विभाग द्वारा पर्यावरण, सामान्य ज्ञान एवं सुरक्षा पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन हिंदी भाषा में किया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मुकुंद दास मानिकपुरी, कनिष्ठ अधिकारी (पीएचडी), द्वितीय पुरस्कार डॉ शीतल चंद्र शर्मा, (शिक्षक) एवं तृतीय पुरस्कार राजेश कुमार गुहा (वरिष्ठ व्याख्याता) तथा प्रोत्साहन पुरस्कार विवेक मिश्र, सुश्री श्रुति तिवारी एवं वाय उमाशंकर ने प्राप्त किया।

उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को विभाग द्वारा टोकन पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कनिष्ठ अधिकारी (पीएचडी) श्री मुकुंद दास मानिकपुरी ने किया तथा डॉ शीतल चंद्र शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

लैलूंगा आवर्धन जलप्रदाय योजना के लिए 18 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

रायपुर। अवर सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला रायगढ़, विकासखंड लैलूंगा के लैलूंगा नगर की आवर्धन जलप्रदाय योजना की पुनरीक्षित लागत 18 करोड़ 1 लाख 4 हजार रूपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। स्वीकृति राशि में आकस्मिक शुल्क 1 प्रतिशत की पूर्व स्वीकृति 11.53 लाख रूपए तक सीमित करने की शर्त पर प्रदान की गई है। इस योजना का वित्तीय ढांचा 70 प्रतिशत अनुदान एवं 30 प्रतिशत ऋण पर आधारित होगा।

इस योजना को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा। योजना के कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण के पूर्व कार्य विभाग के प्रावधानों के तहत् विस्तृत प्राक्कलन बनाकर सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। इस योजना के पूर्ण होने के बाद संधारण एवं संचालन का उत्तरदायित्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत लैलूंगा, जिला रायगढ़ का होगा।

सुरक्षाकर्मी के लिए 11 सितम्बर से होगा पंजीयन शिविर का आयोजन

रायपुर। जिला प्रशासन द्वारा जिलों के 10 वीं पास एवं अनुत्तीर्ण बेरोजगार नवयुवकों को रोजगार प्रदान करने के लिये एसआईएस ग्रुप द्वारा रजिस्ट्रेशन कैम्प आयोजन करने की अनुमति चाही गई है। जो आवेदित अभ्यर्थियों को पंजीकृत कर प्रशिक्षणोपरांत सुरक्षा गार्ड में स्थाई रोजगार देने के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में कार्य पर रखेंगे। पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त रजिस्ट्रेशन कैम्प आयोजित करने के लिए अनुमति प्रदान करने सहित सम्बन्धित थाना प्रभारियों को आवश्यक सहयोग प्रदान किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। एसआईएस एजेंसी के पंजीयन शिविर आयोजन के तहत जिले के थाना परिसर कोण्डागांव में 11 सितम्बर एवं 02 दिसम्बर, थाना परिसर फरसगांव में 12 सितम्बर एवं 03 दिसम्बर, थाना परिसर केशकाल में 13 सितम्बर एवं 04 दिसम्बर, थाना परिसर माकड़ी में 14 सितम्बर एवं 05 दिसम्बर तथा थाना परिसर अनंतपुर में 16 सितम्बर एवं 06 दिसम्बर 2024 को प्रातः साढ़े 10 बजे से सांयकाल 04 बजे तक पंजीयन शिविर आयोजित किये जाएगें। भर्ती-पंजीयन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज- शैक्षणिक योग्यता संबधित प्रमाण पत्र, आधार कार्ड (मूल एवं छायाप्रति) और 02 पासपोर्ट साईज फोटो के साथ उपस्थित हो सकते हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा उपरोक्त अवधि के अनुसार सम्बन्धित थाना क्षेत्रान्तर्गत शिक्षित बेरोजगार युवकों को एसआईएस लिमिटेड में सुरक्षा गार्ड में भर्ती के लिए रजिशट्रेशन कैम्प आयोजन करने के दौरान सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यक सहयोग प्रदान करने तथा अपने-अपने क्षेत्र में कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराई जाकर पंजीयन शिविर में भाग लेने अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किये जाने के निर्देश दिए गए हैं।

आम्रपाली निवास में भगवान महावीर स्वामी के पालना की भक्ति रात्रि 8 बजे से

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में महावीर स्वामी का पालना महोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित सीमंधर स्वामी जैन मंदिर भैरव सोसायटी में 4 सितम्बर को महावीर जन्मवांचन के अवसर पर पालना महोत्सव व 14 स्वप्नों का पूजन धूमधाम से किया गया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि जब भगवान महावीर स्वामी माताराणी त्रिशला के गर्भ में आते हैं उस रात्रि माता 14 महास्वप्न देखती है। 14 स्वप्नों के साथ कल्प वृक्ष व महावीर स्वामी के पालना जी का प्रभुभक्ति में पूजन कर महोत्सव मनाया गया।

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में पालना बधाने के लाभार्थी स्व डॉ हेमराज बरड़िया के आत्मश्रेयार्थ मातुश्री विमला देवी की प्रेरणा से अशोक किशोर मनीष बरडिया, आम्रपाली सोसाइटी रायपुर परिवार ने लिया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी भैरव सोसाइटी से परमात्मा के पालना जी गाजे बाजे के साथ किशोर बरड़िया परिवार के निवास स्थल आम्रपाली सोसायटी शोभायात्रा श्रीसंघ सह बधाए गए। सीए किशोर बरड़िया , आम्रपाली निवास में भगवान महावीर स्वामी के पालना की भक्ति रात्रि 8 बजे से होगी जिसमें रायपुर सकल श्रीसंघ भाग लेगा। चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में कल सुमधुर भजन गायिका दीसी बैद ने भजनों से श्रद्धालुओं का मनमोह लिया।

दीसी ने बताया कि वर्तमान में महाविदेह क्षेत्र से ही मोक्ष जाना संभव है सो भजन सीमंधर स्वामी के पास हमें जाना है, संयम लेके केवल पाके मोक्ष हमें जाना है , गाते हुए श्रावक श्राविकाओं ने मोक्ष की कामना की ।भजन संध्या के लाभार्थी जयकुमार पंकज भारत बैद जिनकुशल ज्वेलर्स हैं। पर्युषण पर्व के पांचवे दिन 4 सितम्बर को शीतल चोरड़िया व ऋचा बरलोटा की युगल प्रस्तुति होगी । जिसके लाभार्थी राजेश करुणा सिंघी परिवार हैं। प्रतिदिन दादागुरुदेव इक्सिा जाप व प्रभु भक्ति कार्यक्रम का संयोजन खरतरगच्छ महिला परिषद राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू कोठारी द्वारा किया जा रहा है।

निगम नेता प्रतिपक्ष ने महापौर की मॉस्को यात्रा पर उठाया सवाल, लगाए आरोप

महापौर ढेबर ने मास्को जाने के लिए निगम प्रशासन से 10 लाख रुपये की स्वीकृति मांगी थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मास्को से लौटने के बाद, महापौर एजाज ढेबर ने अपनी यात्रा के दौरान किए गए एमओयू (मेमोरेंडम ऑफअंडरस्टैंडिंग) की जानकारी साझा की। उन्होंने अपनी यात्रा को निजी नहीं बल्कि आधिकारिक बताया और कहा कि रूस सरकार द्वारा वीजा और टिकट की व्यवस्था की गई थी। हालांकि, भाजपा नेता मीनल चौबे ने इन दावों पर सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

मीनल चौबे के अनुसार, महापौर ढेबर ने मास्को जाने के लिए निगम प्रशासन से 10 लाख रुपये की स्वीकृति मांगी थी। उन्होंने बताया कि महापौर ने 2 जुलाई 2024 को एक पत्र निगम सचिवालय को प्रेषित किया था, जिसमें मास्को में आयोजित होने वाले सम्मिट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 10 लाख रुपये की अनुमानित व्यय राशि स्वीकृत कराने का आग्रह किया गया था। इस पत्र के साथ यात्रा में होने वाले खर्चे, जैसे फ्लाइट फेयर, भोजन, और फाइव स्टार होटल में ठहरने का विवरण भी शामिल था।

उन्होंने आगे कहा कि महापौर द्वारा जिस एमओयू का उल्लेख किया जा रहा है, उसमें लाईट मेट्रो ट्रेन का कोई जिक्र नहीं है। यह वास्तव में एक संयुक्त वक्तव्य है जिसे महापौर एमओयू बता रहे हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि महापौर के बयान में लाईट मेट्रो ट्रेन की अनुमति के बारे में जो कहा गया है, वह हास्यास्पद है, क्योंकि बिना राज्य सरकार की अनुमति के कोई भी तकनीकी टीम शहर में काम नहीं कर सकती है।

मीनल चौबे ने महापौर एजाज ढेबर को एक सतही नेता बताते हुए कहा कि उन्हें अपने बयानों में गंभीरता बरतनी चाहिए, खासकर जब वे शहर के प्रतिनिधित्व की बात कर रहे हों। उन्होंने महापौर द्वारा विदेशी प्रतिनिधियों के रायपुर दौरे की संभावना पर भी सवाल उठाया और पूछा कि यह निमंत्रण व्यक्तिगत है या नगर निगम का आधिकारिक निमंत्रण। नेता प्रतिपक्ष ने महापौर के एमओयू को रायपुर की जनता के साथ एक भद्दा मजाक बताया और महापौर को अधिक गंभीरता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की सलाह दी।

कलेक्टर ने वेटलिफ्टिंग में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने वेटलिफ्टिंग में गोल्ड, सिल्वर और ब्रान्ज पदक जीतने पर खिलाड़ियों का सम्मान किया। कलेक्टर ने खिलाड़ियों को पदक देकर उन्हें उज्जल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा 22 वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर एवं जूनियर वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन भिलाई में 24 से 26 अगस्त के मध्य किया गया। इसमें खेलो इंडिया लघु केंद्र वेटलिफ्टिंग सेंटर के खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। खेलों इंडिया लघु केंद्र के 18 बच्चे ने प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें एक गोल्ड, एक सिल्वर और 6 बॉन्ज मेडल समेत 8 मेडल हासिल किए। इस प्रतियोगिता में करण कुमार ने गोल्ड मेडल, चैतन्य बागडे ने ब्रॉन्ज मेडल, साहित गेंद्रे ने ब्रॉन्ज मेडल, वेदांत ने ब्रॉन्ज मेडल, महिमा ने बॉन्ज मेडल, मेघा घृतलहरे ने सिलल्वर मेडल सब जूनियर और जूनियर वर्ग में कांस्य पदक और सीनियर वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।

धार्मिक, आध्यात्म व जन आस्था का केन्द्र है बखारीपाठ : विजय

कार्यक्रम

बखारी पाठ में मंच निर्माण, पहुंच मार्ग और पुलिया निर्माण की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा कवर्धा प्रवास के दौरान धार्मिक, आध्यात्म और जन आस्था का केन्द्र ग्राम बखारीपाठ में आयोजित रामधुनी कार्यक्रम में शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और प्रगति के लिए आशीर्वाद मांगा।

इस मौके पर श्री शर्मा ने बखारी पाठ के विकास के लिए पहुंच मार्ग में पुलिया निर्माण और मंच निर्माण कराने के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होने राम मंडली में आए पांच मंडली को 21-21 सौ रूपए देने की घोषणा की। उन्होने मेला समिति की अन्य मांगों पर भी सैद्धांतिक सहमति देते हुए सभी मांगों को प्राथमिकता में रखते हुए पूरा करने का भरोसा भी दिलाया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि ग्राम बखारीपाठ प्राचीन काल से धार्मिक, आध्यात्म और जन-आस्था का केन्द्र रहा है। यहां क्षेत्रवासी प्राचीन समय से पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। यह क्षेत्र धार्मिक पर्यटन स्थल के लिए प्रसिद्ध है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यहां के आसपास के क्षेत्रों से लोग बखारीपाठ में पूजा अर्चना करने आते है और धार्मिक जनआस्था का केन्द्र है। इस क्षेत्र के विकास होने से यहां के क्षेत्रवासियों का विकास होगा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अंचल के गांवों के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे है। गांव के विकास होने से शहर तक पहुंच का मार्ग बनेगा। इस अवसर पर बखारी पाठ मेला समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण सहित आसपास के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एक पेड़ मां के नाम: सिटीजन स्कूल में पौधरोपण व सम्मान समारोह आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सिटीजन स्कूल बजरंग नगर के पास स्थित कारी तालाब गार्डन में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती शारदा अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर एवं सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, उपस्थित रहीं। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व भारतीय सैनिक एवं कारगिल योद्धा विजय डागा, जोन 7 के कमिश्नर, और शहीद चूड़ामणि वार्ड 38 के पार्षद दीपक जायसवाल भी इस अवसर पर उपस्थित थे। शाला प्राचार्य श्रीमती नवनीत जैन ने मुख्य अतिथि श्रीमती शारदा अग्रवाल का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया, जबकि शाला संचालक विनोद जैन ने अन्य अतिथियों का स्वागत साल और श्रीफल के साथ किया।

इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सभी अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती शारदा अग्रवाल ने बच्चों को वृक्षारोपण के फायदे बताते हुए उन्हें इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद भी दिया। विजय डागा ने अपने जीवन की कहानियां सुनाकर बच्चों को प्रेरित किया। इसके साथ ही, कार्यक्रम में भारत रक्षा पर्व और 25वें कारगिल विजय वर्ष के सम्मान में छात्रों द्वारा भारतीय सैनिकों के लिए बनाए गए लेटर और राखियां भी भेजी गईं। शाला के गौरव छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में 20 से अधिक सामाजिक संस्थाओं का भी सम्मान मोमेंटो देकर किया गया। शाला के छात्रों द्वारा मनमोहन डांस प्रस्तुत किया गया।

संपर्क केन्द्र ने दो भाइयों के बीच कराई सुलह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशन में जिले में आम जनता के समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु नवाचारी पहल अंतर्गत संयुक्त जिला कार्यालय में संपर्क केन्द्र 92018-99925 स्थापना की गई है। जिसके अब सकारात्मक परिणाम मिलने लगे है संपर्क केन्द्र के माध्यम से फोन एवं वाट्सएप के जरिए विभिन्न विभागों से संबंधित 97 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसमें से 60 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया है। साथ ही बचे हुए 37 आवेदनों को समय-सीमा में दर्ज कर निराकरण किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त गांवों की समस्याओं को जानने एवं राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करने हेतु विषय विशेषज्ञों द्वारा 37 गांवों के जनप्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया जा चुका है। जिसमें गांव वाले भी अलग से समस्याओं के बारे में जानकारी दर्ज कराएं है। आज संपर्क केन्द्र के माध्यम से दो भाईयों के बीच आपसी सुलह कर धान बोनस की राशि का बटवारा कराया गया। भाटापारा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम बोरसी के निवासी दो सगे भाई रामप्रसाद वर्मा एवं तिलकराम वर्मा के बीच आपसी समझौता कराया गया। रामप्रसाद वर्मा ने 20 अगस्त को संपर्क केन्द्र में फोन करके अपने भाई तिलक वर्मा के बैंक खाते में 2014-15 तथा 2015-16 के बोनस राशि जो दिसम्बर 2023 को जारी किया गया था उनके द्वारा फौत होने के पश्चात प्रदान नहीं किया जा रहा था। संपर्क केन्द्र के माध्यम से समन्वय स्थापित कर तिलकराम वर्मा से आज छोटे भाई रामप्रसाद वर्मा को 46 हजार रूपये प्रदान करवाते हुए आवेदन का निराकरण किया गया।

इसी तरह कसडोल विकासखण्ड के ग्राम

कर्नाटक में फंसे 8 श्रमिकों को कराया मुक्त

मोहतरा के निवासी बलराम कर्ष द्वारा कर्नाटक राज्य के जिला कोलर में ईंट भट्ठा में 8 लोगों की बंधक बनाने की सूचना दी गई। जिस पर संपर्क केन्द्र के माध्यम से तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें श्रम विभाग के द्वारा समन्वय स्थापित कर 28 अगस्त को सकुशल घर वापसी कराई गई है। बलराम कर्ष ने इसके लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए राज्य शासन को भी धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होनें बताया कि मेरे अतिरिक्त शारदा, आर्यन, मोहित, जीतराम, संतोषी, विशाल, अनिरूध्द शामिल थे।

इसी तरह पलारी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम लुटुडीह निवासी डोमार कुर्रे ने अपने भाई अश्वनी कुर्रे की कोविड से निधन होने के पश्चात मुआवजा राशि नहीं मिलने के संबंध में 9 अगस्त को संपर्क केन्द्र में आवेदन दर्ज कराया गया जिस पर कार्रवाई करते हुए 14 अगस्त को तहसीलदार के द्वारा उनके खाते में 50 हजार रूपये राशि प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि नवाचारी पहल के तहत जिले में आम जनता के समस्याओं,मांगो के निराकरण, योजनाओं की जानकारी सहित सुझाव प्रदान करने के उद्देश्य से संपर्क 92018-99925 की स्थापना संयुक्त जिला कार्यालय में की गई है। इसके माध्यम से अब जिलेवासियों को घर बैठे ही अपनी मागों समस्याओं एवं सुझावों के निराकरण सहित योजनाओं संबधित जानकारी की सुविधा उपलब्ध होगी। जिसमें जिले का कोई भी व्यक्ति 92018-99925 फोन करके अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। न केवल इसमें शिकायत बल्कि रूटिन में विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी मुहैया करायी जायेगी। इसके लिए बकायदा रूटिन में अधिकारी कर्मचारियों की विभागवार ड्यूटी भी लगायी गई है।

थाई स्लिट आउटफिट पहन नेहा मलिक ने दिखाईं मदहोश कर देने वाली अदाएं

भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी हॉट और सेक्सी लुक्स के कारण चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक अक्सर अपनी कातिलाना अदाओं में फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बना देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें एक्ट्रेस नेहा मलिक ने एक बार फिर हॉटनेस का तड़का लगा दिया है। भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक ने सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

उनका लेटेस्ट स्टनिंग लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान रेड कलर का बेहद ही सेक्सी आउटफिट पहना हुआ था, जिसमें वो किलर लुक्स में पोज देती हुई इंटरनेट का पारा गर्म करने में लगी हुई हैं। बालों को हाई पोनीटेल लुक में बांधकर और साथ ही न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

नेहा मलिक की इन तस्वीरों को शेयर किए कुछ ही घंटे हुए हैं, लेकिन फैंस उनकी इन फोटोज पर खुद को लाइक्स और कॉमेंट्स करने से नहीं रोक पा रहे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। साथ ही आए दिन पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स भी फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

खड़े होकर पानी पीने के क्या होते हैं नुकसान, क्या वाकई हड्डियां होती हैं कमजोर?

जब हम खड़े होकर पानी पीते हैं तो इसका असर हमारे पूरे शरीर पर पड़ता है। खड़े होकर गटागट पानी पीने से शरीर की नसें तन जाती है। शरीर के अंदर का लिक्विड सब्स्टेंस का बैलेंस बिगड़ने लगता है। जिसके कारण शरीर में टॉक्सिन्स और बदहजमी होने लगती है। कोई भी व्यक्ति खाना के बिना रह सकता है लेकिन पानी के बिना नहीं रह सकता है।

खड़े होकर पानी पीने से शरीर पर कई तरह के गंभीर असर पड़ते हैं। शरीर में पानी की कमी न हो इसलिए थोड़ी-थोड़ी देर में पानी जरूर पीना चाहिए। लेकिन कई लोग ऐसे हैं जिन्हें पानी पीने का सही तरीका पता ही नहीं है। इसका सेहत पर बुरा असर पड़ता है। जिसके कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधित गंभीर समस्याओं के सामना करना पड़ता है। खड़े होकर पानी पीने से शरीर को गंभीर नुकसान होते हैं?

खड़े होकर गटागट पानी पीने से शरीर की नसें तन जाती है। जिसके कारण लिक्विड सब्स्टेंस का बैलेंस बिगड़ जाता है। जिसके कारण शरीर में टॉक्सिन्स और बदहजमी होने लगती है। खड़े होकर पानी पीने से शरीर में यूरिक एसिड भी बढ़ने लगता है।

खड़े होकर पानी पीने के 5 नुकसान

- प्यास न बुझना

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि कभी भी खड़े होकर पानी नहीं पीना चाहिए। ऐसा करने से प्यास नहीं बुझ पाती है और बार-बार पानी पीने का मन करता रहता है। इसलिए जब भी पानी पिएं तो बैठकर ही पिएं।

- बिगड़ सकती है पाचन क्रिया

पानी पाचन क्रिया दुरुस्त रखने में मदद करता है लेकिन अगर उसे पीने का तरीका सही न हो तो पाचन क्रिया बिगड़ भी सकती है। दरअसल, जब हम खड़े होकर पानी पीते हैं तो वह तेजी से नीचे चला जाता है और पेट के निचले हिस्से में पहुंचकर पाचन क्रिया को नुकसान पहुंचा सकता है।

- किडनी की बीमारी

खड़े होकर पानी पीने का असर ओवरऑल हेल्थ पर पड़ता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स इसे किडनी से भी जोड़ते हैं, उनका कहना है कि अगर खड़े होकर पानी पीते हैं तो किडनी की सेहत पर असर पड़ सकता है, इसलिए आराम से बैठकर धीरे-धीरे पानी पीना चाहिए।

- जोड़ों में दिक्कतें

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि खड़े-खड़े पानी पीने से जोड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। इससे अर्थराइटिस यानी गठिया की समस्या हो सकती है। खड़े होकर पानी पीने से नसों में तनाव आ जाता है और शरीर में फ्लूइड बैलेंस बिगड़ सकता है, जिससे जॉइंट पेन हो सकता है।

- फेफड़ों में परेशानी

फेफड़ों से जुड़ी किसी भी समस्या का सामना कर रहे हैं तो खड़े होकर पानी गलती से भी न पिएं। जब आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो उस वक्त ऑक्सीजन लेवल प्रभावित होता है, जिसका निगेटिव असर फेफड़ों से लेकर हार्ट तक पर पड़ता है।

द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल सामाजिक-राजनीतिक अशांति का मार्मिक चित्रण

एक फिल्म की कहानी बांग्लादेश की हिंदू महिला सुहासिनी (अर्शिन मेहता द्वारा अभिनीत) के बारे में है, जो एक नरसंहार में अपने माता-पिता की मौत के बाद भागने के लिए मजबूर है। इस्लामिक उग्रवादी उसे सुंदरबन पार करने में मदद करते हैं, लेकिन उनका एक एजेंडा है।

इस्लामिक उग्रवादी उसे इस्लाम में परिवर्तित करना चाहते हैं और पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों में एक राजनीतिक पार्टी के लिए अधिक वोट हासिल करने के लिए उसका उपयोग करना चाहते हैं। आगे जो कुछ होता है वह परेशान करने वाली घटनाओं और उसकी परेशानियों की एक श्रृंखला है।

फिल्म के सबसे बेहतरीन पहलुओं में से एक यजुर मारवाह, अर्शिन मेहता और रामेंद्र चक्रवर्ती जैसे अभिनेताओं का असाधारण अभिनय है। हर अभिनेता ने फिल्म में दमदार अभिनय किया है, इसमें यजुर और अर्शिन खास तौर पर सबसे अलग हैं। खूनी एक्शन सीक्वेंस, सिनेमैटोग्राफी, वीएफएक्स और लोकेशन चॉइस सहित सभी पहलुओं में प्रोडक्शन क्वालिटी में फिल्म बेहतरीन है। इसके अलावा, फिल्म में अर्शिन (सुहासिनी) की मुश्किलों को बेहद दृढ़ विश्वास के साथ दिखाया गया है। यह उन आदिवासी लोगों की परेशानियों को भी प्रभावी ढंग से उजागर करता है, जो पुलिस और विद्रोहियों के बीच एक कठिन परिस्थिति में फंस गए हैं, और दोनों तरफ से दबाव का सामना कर रहे हैं।

फिल्म के निर्देशन की अगर हम बात करें, तो सनोज मिश्रा ने अपने शानदार लेखन और निर्देशन से बांग्लादेशी मुसलमानों के उन जख्मों को बयां किया है, जो क्रूर यातना और अकल्पनीय हिंसा से गुजरे हैं। उन्होंने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि वे इस पूरी कहानी को उसके मूल स्वरूप में ही पेश करें। फिल्म का संगीत उस तनाव को और बढ़ाता है, जिसे निर्माता इस तरह से बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि कहानी न केवल समझ में आए, बल्कि महसूस भी हो।

हालांकि कहानी वास्तविक है, लेकिन फिल्म में ढलने और गैर-रेखीय कहानी को समझने में कुछ समय लगता है। इसके अलावा, कुछ दृश्यों में हिंसा दर्शकों के एक वर्ग को बहुत ज्यादा ग्राफिकल लग सकती है। कुल मिलाकर, द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल एक जबरदस्त क्राइम ड्रामा है। इसमें कुछ ऐसे पल हैं, जो आपको झकझोर कर रख देंगे। हालांकि यह विषय को बहुत ईमानदारी से उजागर करती है, लेकिन वास्तविकता हमें चौंका देती है।

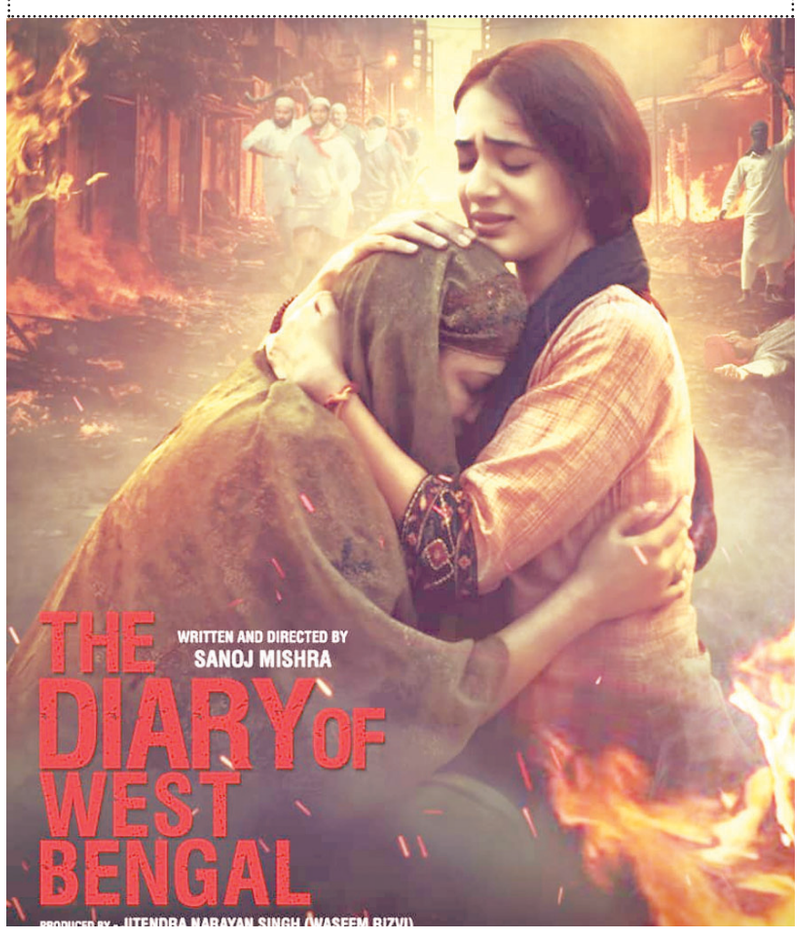

हार्दिक पांड्या से तलाक लेने के डेढ महीने बाद मुंबई लौटी नताशा स्टेनकोविक, शेयर किया पहला पोस्ट

क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ नताशा स्टेनकोविक डेढ महीने बाद मुंबई लौटी हैं। दरअसल, तलाक की खबरों के बीच नताशा 15 जुलाई के दिन अपने बेटे अगस्त्य पांड्या को लेकर सर्बिया चली गई थीं। इसके बाद, 18 जुलाई को उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी कि उन्होंने और हार्दिक ने तलाक लेने का फैसला लिया है। वहीं अब दो सिंतबर के दिन वह मुंबई वापस लौट आई हैं।

नताशा सोमवार की सुबह तकरीबन 6 बजे मुंबई में लैंड हुईं। उनके द्वारा शेयर की गई तस्वीरें में उनके साथ उनका बेटा अगस्त्य नजर नहीं आया। ऐसे में माना जा रहा है कि वह अकेले मुंबई आई हैं। जब वह मुंबई पहुंचीं तब मुंबई की बारीश ने उनका स्वागत किया। उन्होंने दो घंटे पहले अपने इंस्टाग्राम पर मुंबई की सड़कों का वीडियो पोस्ट कर 'हेल्लो मुंबई' लिखा है और बारिश वाला इमोजी बनाया है। यहां देखिए नताशा का पोस्ट।

नताशा एक सर्बियाई डांसर और मॉडल हैं। साल 2012 में एक्ट्रेस बनने का सपना लिए नताशा सर्बिया से इंडिया आ गई थीं। इंडिया आने के बाद उन्होंने प्रकाश झा की फिल्म 'सत्याग्रह' से अपने डेब्यू किया। फिर उन्होंने सलमान खान के रिएलिटी शो 'बिग बॉस 8' में भाग लिया और एक महीने तक घर में रहीं। साल 2024 तक उन्होंने कई सारे ब्रांड एंडोर्समेंट, कोलैबोरेशन और फिल्में कीं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 12 साल तक काम करने के बाद अब उनकी कुल संपत्ति लगभग 20 करोड़ रुपये हो गई है।

शो जीजी मां की टीम के साथ फिर से जुड़ीं अभिनेत्री भाविका शर्मा

तन्वी डोगरा के जन्मदिन के अवसर पर गुम है किसी के प्यार में की अभिनेत्री भाविका शर्मा जीजी मां टीम के साथ फिर से जुड़ गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 1।4 मिलियन फॉलोअर्स वाली भाविका ने स्टोरी सेक्शन में तन्वी के जन्मदिन के जश्न के वीडियो शेयर किए।

क्लिप में हम तन्वी को ऑफ-शोल्डर ब्लैक लेस गाउन पहने हुए देख सकते हैं, और उन्होंने हल्के मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया है। भाविका ने गोल्डन और ब्लैक स्ट्रिप वाली शर्ट ड्रेस पहनी हुई है। वीडियो में तन्वी को बर्थडे केक काटते और अपने दोस्तों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है, जिसमें अभिनेता दिशांक अरोड़ा और जीवांश चड्ढा शामिल हैं।

स्टार भारत पर प्रसारित जीजी मां में तन्वी, दिशांक, भाविका और शुभाशीष झा हैं। मुंबई की रहने वाली भाविका ने 17 साल की उम्र में टेलीविजन शो में काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने 2015 में परवरिश-सीजन 2 से रिया गुप्ता का किरदार निभाते हुए अपनी शुरुआत की थी। भाविका को जीजी मां में नियति और ये इश्क नहीं आसान में मौसमी के रूप में देखा गया था। वह पिछली बार कॉमेडी एक्शन शो मैडम सर में दिखाई दी थीं, जो सोनी सब पर प्रसारित हुआ था।

जय प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह शो जय मेहता द्वारा निर्मित है। इस शो में गुलकी जोशी, युक्ति कपूर, प्रियांशु सिंह और सोनाली नाइक मुख्य भूमिका में हैं। दूसरी ओर तन्वी ने 2016 में जी टीवी के मेरी सासू मां में बबीता शर्मा का किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद डोगरा एक भ्रम।सर्वगुण संपन्न और संतोषी मां - सुनाएं व्रत कथाएं जैसे शो में दिखाई दीं। वह वर्तमान में शो परिणीति में नजर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले एकता कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस शो में आंचल साहू, तन्वी और अंकुर वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। यह कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।

भाविका शर्मा ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत 2015 के टीवी शो परवरिश सीजन 2 से की थी। इस शो में उन्होंने रिया गुप्ता की भूमिका निभाई थी। वह 2017 से 2018 तक टीवी सीरियल जीजी मां में नियति की भूमिका में दिखाई दी थीं। इसके बाद वह सोनी सब के टीवी सीरियल मैडम सर में कांस्टेबल संतोष शर्मा के किरदार में नजर आईं थीं। उनकी इस भूमिका ने उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी। वह 2023 से स्टार प्लस के टीवी शो गुम है किसी के प्यार में आईपीएस सावी चव्हाण की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस भूमिका से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी।

हार्ट अटैक आने पर जोर-जोर से खांसने से बच सकती है जान

हार्ट अटैक अक्सर जानलेवा साबित होता है। हार्ट अटैक आने पर डॉक्टर मरीज को फर्स्ट एड देने के साथ साथ तुरंत अस्पताल ले जाने की सलाह देते हैं। देखा जाए तो सीपीआर और फर्स्ट एड के जरिए मौके पर मरीज को थोड़ी राहत मिल सकती है लेकिन उसे अस्पताल ले जाना जरूरी हो जाता है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही है जिसमें कहा जा रहा है कि हार्ट अटैक आने पर मरीज जोर जोर से खांस कर अपनी जान बचा सकता है।

इस प्रोसेस को कफ सीपीआर का नाम भी दिया गया है। लेकिन क्या वाकई ऐसा है। अगर ये सच है तो इस संबंध में डॉक्टर क्या कहते हैं। चलिए जानते हैं सोशल मीडिया पर हार्ट अटैक को लेकर किए जा रहे इस दावे की सच्चाई क्या है।

क्या जोर जोर से खांसकर हार्ट अटैक में बच सकती है जान?

बिल्कुल नहीं। ये एक गलत और भ्रामक दावा है। डॉक्टर कहते हैं कि कफ सीपीआर जैसी कोई चीज नहीं है। हार्ट अटैक के दौरान जोर जोर से खांस कर मरीज की जान नहीं बचाई जा सकती है। ना ही तेजी से सांस लेने से कोई फायदा हो सकता है। डॉक्टर कहते हैं कि कफ सीपीआर जैसी कोई मेडिकल टर्म नहीं है जिसके जरिए मरीज की जान बचाई जा सकती है।

आपको बता दें कि उक्त वायरल पोस्ट में कहा गया था कि अगर सीने में दर्द हो,जबड़े में दर्द फील हो रहा हो तो ये हार्ट अटैक हो सकता है। इस दौरान कोई मदद के लिए मौजूद नहीं है तो व्यक्ति को जोर जोर से खांसना चाहिए और लंबी लंबी सांस लेनी चाहिए। ऐसा करने से फेफड़ों को ऑक्सीजन मिलेगी और जान बच सकेगी।

हार्ट अटैक आने पर क्या करना चाहिए

आपको बता दें कि इससे पहले सोशल मीडिया पर ही एक और वायरल पोस्ट चली थी जिसमें कहा गया था कि हार्ट अटैक आने पर अदरक खाने से जान बच सकती है। डॉक्टरों की सलाह है कि ऐसे किसी भी दावे पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। हार्ट अटैक गंभीर स्थिति होती है। इस दौरान सुनी सुनाई बातों पर विश्वास और अमल करने से पहले मरीज को प्रशिक्षित व्यक्ति के जरिए सीपीआर देनी चाहिए और संभव है तो तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।

शासन और प्रशासन का उद्देश्य क्षेत्र का समग्र विकास करना है-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा कबीरधाम जिले के मूलभूत तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार तथा समग्र विकास के लिए राज्य तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के उचित क्रियान्वयन के लिए विशेष जोर देते हुए कार्य किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने सभी विभाग के अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन और अधोसंरचना निर्माण के लिए निर्देश दिए है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने जिला कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं और कबीरधाम जिले के समग्र विकास के लिए दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा बैठक ली।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में राज्य तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रम एवं कबीरधाम जिले के समग्र विकास के लिए विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों की बैठक लेकर पूर्व में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की। श्री शर्मा ने कहा कि पूर्व में दिए गए निर्देशों का अधिकारियों द्वारा कार्य किया जा रहा है, इसमें प्रगति आई है, लेकिन और प्रगति लाने की जरूरत है। क्षेत्र विकास के मांग और विकास के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन का उद्देश्य क्षेत्र का विकास करना है इसके लिए जरूरी है कि शासन और प्रशासन मिलकर कार्य करेंगे तो उद्देश्य जरूर पूरा होगा। उन्होंने जिले के समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारी अपने मूलभूत कार्य के साथ विकास के क्षेत्र में नवाचार कार्य प्रारंभ करें।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने समीक्षा बैठक में जिले के वनांचल क्षेत्रों में अधोसरंचना, पुल-पुलिया, सड़क, पीएम जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि उपज मंडी के स्वीकृत विकास कार्य, विधायक निधी, प्रभारी मंत्री द्वारा स्वीकृत कार्य, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास कार्य, त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थानों के क्षमता विकास योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्य, मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्य, पीएमजीएसवाय, लोक निर्माण विभाग के कार्य सहित नई सिचाई परियोजनाओं, वनांचल सहित सूदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बैकिंग सुविधाओं के विस्तार, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सड़क योजना अंतर्गत किए गए कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गई। उप मुख्यमंत्री ने जिले के विभिन्न जलाशय के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सभी विभाग के अधिकारियों को वार्षिक कलेंडर बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला भट्ट, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, कलेक्टर जनमेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने जिले के अनुविभागीय राजस्व न्यायालय, तहसीलदार, नायब तहसीलदार न्यायालय में पंजीकृत राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों तथा ग्रामीणों की छोटी-छोटी समस्याएं होती है, उनकी समस्याओं को सुनकर प्राथमिकता के साथ तत्काल निराकरण करना सुनिश्चित करें। जिले के किसान को किसी भी प्रकार से दिक्कत नही होना चाहिए। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार को सप्ताह में हर मंगलवार को सुबह 10 बजे से अपने कार्यालय में किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और उसके समाधान के लिए जन चौपाल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए दिन और समय की जानकारी भी कार्यालय में चस्पा करें।

तीजा-पोरा तिहार के अवसर पर महिलाओं को मिला उपहार

महिलाओं ने अपने विष्णु भैरया का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्यौहार तीजा-पोरा के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख माताओं एवं बहनों के बैंक खातें में 01-01 हजार रूपये की राशि का अंतरण किया है। बालोद जिले की 02 लाख 52 हजार 996 महिलाएं भी इस योजना के तहत 07 माह से लाभान्वित हो रही हैं।

तीजा-पोरा त्यौहार के अवसर पर बालोद जिले की महिलाओं ने अपने बैंक खातें में 01-01 हजार राशि अंतरित होने पर खुशी जाहिर करते हुए अपने विष्णु भैय्या के प्रति आभार व्यक्त किया है। जिले के ग्राम झलमला की श्रीमती माधुरी मानिकपुरी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें प्रतिमाह महतारी वंदन योजना के तहज 01 हजार रूपए उनके खाते में मिल रहा है जिसका वे बेहतर उपयोग कर रही है। उसने बताया कि इस माह तीजा-पोरा त्यौहार के अवसर पर हमारे विष्णु भैय्या ने बैंक खाते में महतारी वंदन योजना की सातवीं किश्त का अंतरण किया है। इस राशि से वह खुशी-खुशी तीजा का त्यौहार मनाएगी। श्रीमती सविता ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने तीजा-पोरा त्यौहार के अवसर पर हमें महतारी वंदन योजना का राशि उपलब्ध कराया है इससे मैं साड़ी खरीदुंगी और तीजा के लिए अपने मायके जाउंगी।

इसी प्रकार श्रीमती कामिन बाई और श्रीमती गणेशिया साहू ने महतारी वंदन योजना के तहत सातवीं किश्त की राशि आने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हमारे बड़े भैय्या की तरह हमारा ख्याल रख रहे हैं, हमें प्रतिमाह 01 हजार की राशि सीधे हमारे बैंक खाते में प्रदान कर रहे है। हमारे लिए अब हर माह की शुरूआत किसी त्यौहार से कम नहीं होता और मोबाइल में महतारी वंदन योजना की राशि आने का मैसेज देखते ही खुशियों से हमारा आत्मविश्वास जाग जाता है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने वंचित श्रमिकों को आवास योजना में शामिल करने पर जोर दिया

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत श्रमिकों को शामिल करने से सामाजिक न्याय सुनिश्चित होगा और जीवनयापन में आसानी को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली (पीआईबी)। देश भर में वंचित श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने वंचित श्रमिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) का लाभ देने की पहल की है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा सभी राज्य सरकारों को एक पत्र जारी किया गया है, जिसमें प्रवासी श्रमिकों, भवन निर्माण श्रमिकों, बीड़ी श्रमिकों, सिनेमा श्रमिकों, गैर-कोयला खदान श्रमिकों, संविदा श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के अन्य श्रमिकों को आवास योजना के तहत शामिल करने का आग्रह किया गया है।

यह निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पीएमएवाई के कार्यान्वयन को वित्त वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक अतिरिक्त पांच वर्षों के लिए बढ़ाने की मंजूरी के बाद लिया गया है, जिसका उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को 2 करोड़ अतिरिक्त घर उपलब्ध कराना है। यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिकों की आवास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए है। मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया है कि ये श्रमिक समाज के वंचित वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और पीएमएवाई के तहत उनका कवरेज सुनिश्चित करना न केवल सामाजिक न्याय से संबंधित है, बल्कि उनके जीवनयापन की स्थितियों में सुधार की दिशा में एक आवश्यक कदम भी है।

श्रमिकों के कल्याण के लिए पूरी तरह से संचालित एमआईएस पोर्टल: इसके अलावा, मंत्रालय ने घोषणा की है कि भवन एवं निर्माण तथा प्रवासी श्रमिकों के लिए 21 अगस्त 2024 को शुरू किया गया प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) पोर्टल अब पूरी तरह से संचालन में है। इस पोर्टल को विभिन्न केंद्रीय और राज्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, जैसे बीमा, स्वास्थ्य लाभ और आवास योजनाओं के तहत निधि उपयोग और श्रमिकों के कवरेज की जानकारी सहित डेटा के संग्रह और विश्लेषण की सुविधा के लिए डिज़ाइन किया गया है।

केंद्रीकृत डेटा प्रबंधन प्रणाली, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को जानकारी आधारित निर्णय लेने और इन वंचित श्रमिकों की जरूरतों के अनुरूप प्रभावी कल्याणकारी नीतियां विकसित करने में सक्षम बनाएगी।

श्रमिक उत्थान के लिए सहयोगात्मक प्रयास: इन वंचित श्रमिकों के उत्थान की दिशा में ठोस प्रयास के महत्व को दोहराते हुए, मंत्रालय ने विभिन्न राज्यों में पदस्थापित कल्याण आयुक्तों को इन पहलों के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया है।

29 अगस्त से 4 अक्टूबर, 2024 के बीच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा की जा रही क्षेत्रीय बैठकों की एक श्रृंखला में इस पहल पर अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही है। इस कदम से लाखों श्रमिकों के जीवन में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें आवास और सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलना सुनिश्चित होगा, जिनके वे हकदार हैं।

बी.टेक कृषि अभियांत्रिकी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी में 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी भी ले सकेंगे दाखिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित बी.टेक (कृषि अभियांत्रिकी) अथवा बी.टेक (फूड टेक्नोलॉजी) स्नातक पाठ्यक्रम में ''नवीन शिक्षा नीति 2020'' के तहत रिक्त सीटों पर सत्र 2024-25 के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया ओपन कर दी गई है। छत्तीसगढ़ के मूल निवासी पी.ई.टी. - 2024, जे.ई.ई. मैन्स - 2024 तथा 12वीं कक्षा (गणित समूह - गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अंग्रेजी) से उत्तीर्ण हो वे इस आनलाईन काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने हेतु योग्य होंगे।

कृषि अभियांत्रिकी और फूड टेक्नोलॉजी का क्षेत्र कृषि और खाद्य प्रौद्योगिकी में नवाचार और उन्नत तकनीकों के उपयोग के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। कृषि अभियांत्रिकी का उद्देश्य छात्रों को कृषि मशीनीकरण, सिंचाई प्रणाली, खाद्य प्रसंस्करण, और पर्यावरण संरक्षण में विशेषज्ञता प्रदान करना है। वहीं, फूड टेक्नोलॉजी के तहत छात्रों को खाद्य प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण, और खाद्य सुरक्षा में विशेषज्ञता प्राप्त होती है, जिससे वे खाद्य उद्योग में अहम भूमिका निभा सकते हैं। हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि अभियांत्रिकी निदेशालय की स्थापना की योजना बनाई गई है, जिससे कृषि अभियांत्रिकी और फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया 4 सितंबर, 2024 से 08 सितंबर, 2024 तक (दोपहर 12:00 बजे तक) चलेगी। इस अवधि में पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को वरीयता सूची के आधार पर नियमानुसार प्रवेश दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ के मूलनिवासी अभ्यर्थी जिन्होंने पी.ई.टी. - 2024, जे.ई.ई. मैन्स - 2024 अथवा 12वीं कक्षा (गणित समूह) उत्तीर्ण की है, वे इस प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 12वीं कक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों की आवश्यकता है, जबकि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए यह न्यूनतम सीमा 40 प्रतिशत निर्धारित की गई है। अन्य राज्यों के 12वीं गणित समूह से उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी इसी अवधि में ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं; इन्हें छत्तीसगढ़ के मूलनिवासी अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने के बाद रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।

कोरबा के समुचित विकास के लिए किए जा रहे विकास कार्यः मंत्री देवांगन

उद्योग मंत्री ने कोरबा के विभिन्न वार्डों में किया निर्माण कार्य का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य आज कोरबा नगर निगम क्षेत्र के तीन वार्डों में विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि पिछले 10 साल से उपेक्षा के शिकार रहे दर्री जोन के किसी भी वॉर्ड में अब विकास कार्य की कमी नहीं होने दी जाएगी। प्रदेश की विष्णुदेव सरकार में अब कोरबा शहर के हर वॉर्ड का विकास तेजी से होने लगा है। आज इस वार्ड में लगभग 50 लाख रुपए की लागत से कार्य शुरू होने जा रहे हैं, आने वाले दिनों में और भी कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं।

केबिनेट मंत्री द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ इनमें दर्री जोन के वार्ड क्रमांक 52 सिंचाई कॉलोनी दर्री स्थित गणेश पंडाल में दोपहर 4 बजे आयोजित कार्यक्रम में दर्री जोन के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 52 में फर्टिलाइजर बस्ती में राजू घर से रमेश घर तक फिरत घर से समारू घर मेन रोड इतवारी बाजार से सामुदायिक भवन तक, स्वास्थ्य केंद्र से एनटीपीसी प्लांट रोड तक सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य लागत 22 लाख, वॉर्ड 52 एसएलआरएम सेंटर में सीसी सड़क का निर्माण कार्य लागत 13.7 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 52 प्राथमिक शाला नागोईखर में नवीन भवन का निर्माण कार्य लागत 13. 92 लाख, कुल 49.62 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन मंत्री देवांगन के कर कमलों से संपन्न हुआ।

इसी तरह टीपी नगर जोन अन्तर्गत वार्ड क्रमांक 15 में ढोढीपारा स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में शाम 5 बजे आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में सब स्टेशन से चेतन घर तक आरसीसी नाली एवम् सीसी रोड निर्माण कार्य लागत 9.01 लाख, वॉर्ड क्रमांक 15 अंतर्गत ढोढीपारा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के सामने सीसी कार्य लागत 5.38 लाख , वार्ड क्रमांक 16 खान मोहल्ला एवम चारपारा कोहड़िया में पचरी निर्माण कार्य 11.04 लाख कुल लागत 25.42 लाख के कार्यों का भूमिपूजन मंत्री देवांगन के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में कोरबा शहर का विकास रुक सा गया था, एक काम के स्वीकृति और फिर काम शुरु होने मे दो से तीन साल लग जाते थे, लेकिन आज विष्णुदेव सरकार मे विकास कार्यों की स्वीकृति और कार्य तत्काल प्रारंभ हो रहे हैं। केबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान वार्डों के विकास की जितनी भी घोषणा की गई थी उसे पहले ही साल स्वीकृति दी जा चुकी है। हर वार्ड का चहुमुखी विकास करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, पार्षद नरेंद्र देवांगन, दर्री मंडल अध्यक्ष ईश्वर साहू, एमआईसी सदस्य सुनील पटेल, पार्षद प्रेमचंद पांडेय, विजय साहू, पुष्पा देवी कंवर, बुधवार साय यादव, ममता साहू, तुलसी ठाकुर, नारायण ठाकुर, मनोज अग्रवाल, मनोज यादववॉर्ड क्रमांक 15 के पार्षद धनसाय साहू, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, लक्ष्मण श्रीवास, गिरधारी रजक, योगेश मिश्रा, दिनेश वैष्णव, राजेश सोनी, कृष्णा राठौर, सरिता कौशिक, पुनिराम साहू, संजय मानिकपुरी समेत अधिक संख्या में वॉर्ड वासी उपस्थित रहे।

पीएम जनमन योजना पीवीटीजी के संर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगाः मंत्री रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पीएम जनमन योजना के दूसरे चरण अंतर्गत छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के राजपुर में मेगा इवेंट का आयोजन प्रस्तावित है। आदिम जाति मंत्री रामविचार नेताम के नेतृत्व में इस मेगा इवेंट की व्यापक तैयारियां की जा रही है। जल्द ही इस आयोजन की तिथि भी घोषित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस मेगा इवेंट से जुड़ेंगे और पीवीजीटी परिवारों से भी चर्चा करेंगे।

मेगा इवेंट एवं पीएम जनमन योजना के संबंध में आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि पीएम जनमन योजना अर्थात ''प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान'' विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के संर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि अधिकतर पीवीटीजी की बसाहट अत्यंत रिमोट क्षेत्र में होने के कारण शासन की ज्यादातर योजनाओं का लाभ इस वर्ग तक पूर्ण रूप से नहीं पहुंच पाया है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप पीवीटीजी के संर्वांगीण विकास हेतु इस महत्वाकांक्षी योजना को लाया गया है। मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य शासन के अधिकारी-कर्मचारी स्वयं पीवीटीजी बसाहटों का चिन्हांकन कर एवं उनके पास जाकर, उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिला रहे हैं, ताकि उन्हें भी विकास के माध्यम से राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। योजना के तहत आधार कार्ड, राशन कार्ड, पीएम जनधन खाता, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम मातृ वंदन योजना, जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार पत्र, बिजली, पानी, पक्की सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही सभी नोडल विभागों से प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध की गई प्रगति की ऑनलाइन एंट्री भी की जा रही है। आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री नेताम के निर्देश अनुरूप विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा एवं सचिव सह आयुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा के कुशल नेतृत्व में मिशन मोड में पीवीटीजी बसाहट वाले राज्य के 18 जिलों में कार्य किया जा रहा है। जिला कलेक्टरों को समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पीवीटीजी बसाहटों में विशेष कैंप लगाकर पीवीटीजी हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है, इसकी मॉनीटरिंग हेतु मुख्यालय से अधिकारियों द्वारा दौरा भी किया जा रहा है।

शिविर में शामिल हुए एवं पूरे कार्यक्रम में सहभागिता की एवं स्थानीय बैगा जनजाति के सदस्यों तथा अधिकारियों से चर्चा कर विभिन्न गतिविधियों की प्रगति की जानकारी ली।

अब तक 66540 पीवीटीजी हितग्राहियों ने करवाया पंजीयन

दूसरे चरण के अंतर्गत अब तक प्रदेश स्तर पर 18 पीवीटीजी बसाहटों वाले जिलों में कुल 662 कैम्प लगाए गए हैं, इनमें अभी तक 66540 पीवीटीजी हितग्राहियों ने अपना पंजीयन करवाया है। प्राप्त जानकारी अनुसार इसमें 3569 हितग्राहियों का आधार कार्ड, 4824 हितग्राहियों का आयुष्मान भारत कार्ड, 1320 हितग्राहियों को पीएम किसान सम्मान निधि, 934 हितग्राहियों का किसान क्रेडिट कार्ड, 1764 हितग्राहियों का पीएम जनधन योजना, 234 हितग्राहियों को पीएम मातृ वंदन योजना, 2320 हितग्राहियों का राशन कार्ड, 1350 हितग्राहियों का जाति प्रमाण-पत्र, 731 हितग्राहियों का वन अधिकार पटटा बनाकर लाभान्वित किया जा चुका है। इसके अलावा 2997 पीवीटीजी बसाहटों में सुंदर वॉल पेंटिग भी गई है। दूसरा चरण 23 अगस्त से प्रारंभ होकर 10 सितंबर तक चलेगी।

कल जनसमस्या निवारण शिविर

कांकेर। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिले के आम नागरिकों की आवश्यकताओं, शिकायतों एवं समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित होगा।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

सड़क किनारे खून से लथपथ पड़ा था शख्स, भाजपा नेता जूदेव ने घायल शख्स की बचाई जान

कोटा। भाजपा के प्रदेश मंत्री प्रबल प्रताप जूदेव ने सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल एक सख्श को ऐम्बुलेंस बुलाकर तत्काल सिम्स बिलासपुर रेफर करवाया तब जाकर सख्श की जान बची।

दरअसल रतनपुर पेंड्रा रोड के पोड़ी चौक के पास एक व्यक्ति को किसी अज्ञात वाहन ने बुरी तरह ठोकर मार दी और खून से लथपथ वह सड़क किनारे कराह रहा था। इसी दरम्यान सरस्वती सायकिल योजना अंतर्गत साइकिल वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कोटा विकास खण्ड के उमरिया दादर जा रहे भाजपा के प्रदेश मंत्री प्रबल प्रताप जूदेव की नजर घायल व्यक्ति पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल ऐम्बुलेंस बुलवाया और पुलिस की मदद से घायल को सिम्स बिलासपुर भेजवाया, घायल की हालत फिलहाल बेहतर है।

प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने बताया कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति के शरीर से खून ज्यादा निकल रहा था अगर वक्त रहते ऐम्बुलेंस नहीं आता तो उसकी जान जा सकती थी लेकिन समय रहते उनके कहने पर तत्काल ऐम्बुलेंस पहुँच गया और घायल अभी खतरे से बाहर है।

जादू टोना के नाम पर टंगिया से प्राणघातक हमला करने वाला दो वर्ष से फरार आरोपित गिरफ्तार

सुकमा। जिले के थाना पोलमपल्ली के अपराध क्रमांक 08/2022 धारा 294, 323, 506 भादवि, छग टोनही प्रता. निवा. अधि. की धारा 4, 5 की विवेचना थाना प्रभारी निरीक्षक बीरेन्द्र सिंह थाना पोलमपल्ली द्वारा की जा रही थी। हत्या की वारदात के समय मड़कम पोज्जा के शरीर में हाथ पैर में दर्द होने से कवासी दिलीप झाड़ फूंक कर रहा था। इसी दौरान अचानक वेट्टी मुका आकर तु साला झाड़ फूक करता हैं वड्डे (जादू-टोना)करता हैं, आज तुझे जान से खत्म कर दूंगा कहकर अपने पास रखे टांगिया के मुन्डी तरफसे सिरे के पीछे तरफमारा जिससे खून बहने लगा। प्रार्थी कवासी दिलीप पिता कवासी हुंगा 46 वर्ष निवासी कोर्रापाड़ हाल करीगुण्डम पारा, पोलमपल्ली थाना पोलमपल्ली के लिखित आवेदन करने पर थाना पोलमपल्ली में अपराध सदर धारा पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान घटना स्थल निरीक्षण, कथन प्रार्थी एवं गवाहान, पीड़ित का मुलाहिजा रिपोर्ट, जप्त माल के आधार पर प्रथम दृष्टिया अपराध पाये जाने से फरार आरोपी वेट्टी मुका को गवाहो के समक्ष गिरफ्तार का कार्यवाही उपरांत मंगलवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुकमा के समक्ष रिमांड हासिल करने आरोपी को पेश किया गया।

प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में थाना पोलमपल्ली से सउनि. मनोज यादव, प्र.आर. 165 मिडियम मंगलराम, 523 तुलाराम बघेल, 931 सहदेव अरूसा, आर. 106 मड़कम सोमा, 308 नरेन्द्र ध्रुव, 882 पुनेम जोगा, 411 किच्चे देवा, 431 संतोष कुमार किच्चे, 1391 शेख उस्मान, डीएसएफ 2484 मड़कम पाण्डू, 2107 वेट्टी देवा गो.सै. पोज्जा सरियम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा पर मुठभेड़ में 9 नक्सली ढेर

सीएम साय ने कहा खात्मे तक जारी रहेगी लड़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा और बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां मुठभेड़ में जवानों ने नौ नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मौके से माओवादियों के शवों के साथ भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए हैं। वहीं इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों की सफलता पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद के खात्मे तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिम बस्तर डिवीजन में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर पुलिस की संयुक्त टीम सर्चिंग अभियान पर निकली थी। मंगलवार की सुबह सर्चिंग के दौरान घात लगाकर बैठे नक्सलियों जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने मोर्चा संभाला और कुछ ही देर में भारी पड़ने लगे। इस मुठभेड़ में 7 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। बड़ी संख्या में नक्सली घायल हुए हैं, जिनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

सीएम साय ने कहा-जवानों के लिए बड़ी सफलता

मुठभेड़ को लेकर सीएम साय ने अपने आफिशियल एक्स हैंडल पर लिखा है कि दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में अब तक 09 नक्सलियों के मारे जाने की खबर आ रही है। इसके साथ ही बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों द्वारा 13 सक्रिय माओवादियों को गिरफ्तार किए जाने की भी खबर प्राप्त हुई है। निश्चित ही यह सुरक्षाबल के जवानों के लिए बड़ी सफलता है। मैं इस अभियान में शामिल सभी सुरक्षा अधिकारियों, जवानों की बहादुरी को सलाम करता हूं और बधाई देता हूं। नक्सलवाद के खात्मे तक हमारी यह लड़ाई जारी रहेगी।

29 अगस्त को मारे गए थे तीन माओवादी

इससे पहले 29 अगस्त को भी नारायणपुर-कांकेर बॉर्डर पर नक्सलियों और पुलिस में मुठभेड़ हुई थी जिसमें सुरक्षा बलों ने तीन नक्सलियों को मार गिराया था। अगस्त की शुरुआत में भी दंतेवाड़ा पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली थी। मुठभेड़ में एक हार्डकोर नक्सली मारा गया था। साथ ही, हथियार और अन्य सामान भी बरामद किए गए थे। इसके लिए जवान बारिश के मौसम में उफनती इंद्रावती नदी को पार कर नक्सलियों के ठिकानों तक पहुंचे थे।

16 अप्रैल को कांकेर में 29 नक्सली हुए थे ढेर

16 अप्रैल को कांकेर में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गये थे। यह देश की सबसे बड़ी नक्सली मुठभेड़ थी, जिससे नक्सली डर के भय से कांप उठे थे। 30 अप्रैल को 9 घंटे तक चली मुठभेड़ जवानों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया था। बूझमाड़ के टेकामेटा के जंगलों में डीआरजी और एसटीएफके जवानों का सामना नक्सलियों से हुआ था। मारे गए नक्सलियों में 3 महिला और 7 पुरुष माओवादी शामिल थे। प्राथमिक तौर पर मुठभेड़ में मारे गये माओवादियों में से 2 की शिनाख्तगी डीवीसीएम जोगन्ना और डीवीसीएम विनय उर्फअशोक के रूप में हुई थी। इस साल बस्तर रेंज में 141 माओवादी ढेर हो चुके हैं।

जांजगीर के मंदिर में दानपेटी चोरी कर बिलासपुर में कर रहे थे ऐश, पुलिस की पकड़ में अए चार बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले के जांजगीर थाना क्षेत्र स्थित नहरिया बाबा हनुमान मंदिर की दान पेटी चुराने वाले चार बदमाशों को पुलिस ने धर दबोचा है। जांजगीर के मंदिर में चोरी करने के बाद सभी बदमाश इन पैसों से बिलासपुर में ऐश कर रहे थे। पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। लगभग 600 सीसी टीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस ने तीन चोरों के साथ उनके एक सहयोगी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से पुलिस ने नगदी 37236 रुपए और जली हुई मोटर सायकल तथा घटना में प्रयुक्त औजार बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफधारा 303(2), 324 (4) (5), 238 (ग), 331 (4),305 (ए),317(2),3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर जेल भेजा गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उक्त घटना 25 अगस्त की रात की है। नहरिया बाबा मंदिर अंदर घुसकर कमरे का ताला तोड़कर कमरे में रखे दान पेटी को अज्ञात चोर ले गए। दानपेटी में लगभग 90 हजार रुपए होने का अनुमान लगाया गया। प्रार्थी प्रमोद कुमार तिवारी की शिकायत पर जांच शुरू की गई। चोर दानपेटी के साथ ही मंदिर परिसर में रखी एक बाइक एचएफ डिलक्स क्रमांक सीजी 11 एके 4750 भी चुरा ले गए थे। घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी विवेक शुक्ला के निर्देशन में अज्ञात आरोपियों की पतासाजी हेतु तत्काल टीम गठित किया गया।

दौरान विवेचना सायबर सेल पुलिस जांजगीर द्वारा बारिकी से घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। घटना में लगे सीसीटीवी को चेक करने पर तीन संदिग्ध रेनकोट पहन अपने अपने चेहरा को कपड़े से ढके हुए दिखाई दिए। घटना स्थल से सभी दिशाओं के सीसीटीवी फुटेज को चेक करने पर पता चला कि आरोपी घटना स्थल से मोटर सायकल चोरी कर बलौदा होते हुए सीपत, बिलासपुर शहर ओर गए हैं। जांजगीर पुलिस बिलासपुर पहुंची और संभावित स्थनों की सीसी टीवी फुटेज जांची। इस दौरान संदेही धीरेन्द्र वैष्णव उर्फ टींकू निवासी भूकम्प अटल अवास थाना सरकण्डा को हिरासत में लिया गया।

घटना के संबंध में पूछताछ करने पर उसने बताया कि अपने अन्य सहयोगी विजय कुमार वैष्णव, रामायण केंवट निवासी हरदीकला टोना थाना सिरगिट्टी बिलासपुर के साथ मिलकर रात को गतौरा रेलवे स्टेशन से ट्रेन से नैला रेलवे स्टेशन पहुंचे। नहरिया बाबा मंदिर का ताला तोड़कर दान पेटी चुराए और वापस लौटने के लिए वहीं खड़ी मोटर साइकिल चोरी कर लिया। बाइक से तीनों बैठकर बलौदा, सीपत होते हुए बिलासपुर पहुंचे और बाइक व रेनकोट को जला दिया।

आरोपी के बताए अनुसार पुलिस ने अन्य आरोपी विजय कुमार वैष्णव एवं रामायण केंवट को गिरफ्तार किया। तीनों ने चोरी का रकम को अपने साथी राजा ठाकुर उर्फ राज निवासी अशोक नगर खमतरई बिलासपुर के किराये के मकान में छिपाकर रखना बताया। आरोपियों के पास से नगदी रकम 37236 रुपए बरामद किए गए। पुलिस ने जली हुई बाइक व घटना में प्रयुक्त औजार भी बरामद किया। आरोपियों ने बताया कि दानपेटी की शेष राशि को आपस में बांटकर खर्च कर दिया। उक्त कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार कुर्रे, निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, निरीक्षक दिनेश यादव, साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक पारस पटेल, चौकी प्रभारी नैला राकेश कुमार सूर्यवंशी एवं सायबर टीम से एएसआई विवेक कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक मनोज तिग्गा, विवेक सिंह, आरक्षक प्रदीप दुबे, गिरीश कश्यप, रोहित कहरा, शहबाज अहमद, अर्जुन यादव, चौकी नैला से एएसआई आरके साहू, प्रधान आरक्षक भीम श्रीवास, रूद्र कश्यप, आरक्षक संतोष प्रधान एवं एसीसीयू बिलासपुर से आरक्षकतरूण केशरवानी का सराहनीय योगदन रहा।

अवैध शराब के साथ आरोपी पकड़ाया

गरियाबंद। जिला मुख्यालय से दो किलोमीटर दूर मजरकट्टा में अवैध शराब के साथ आरोपी को कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया।मामले में मिली जानकारी के अनुसार 3 सितंबर को कोतवाली प्रभारी ओम प्रकाश यादव को मुखबिर से सूचना मिला की ग्राम मजरकट्टा में एक व्यक्ति के द्वारा अवैध शराब बेचने के लिए रखा है।इस जानकारी पर कोतवाली प्रभारी के द्वारा कोतवाली से प्रधान आरक्षक प्रदीप सिंहा,डीलेश्वर साहू मुरारी,दिलेश्वरी कवर व स्वाति मरकाम की टीम बनाकर कर मौके पर भेजा गया।मुखबीर सूचना के जानकारी अनुसार ग्राम मजरकट्टा निवासी सूरज बारले अपने घर बाड़ी में अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब छुपाकर रखा था। जिसपर गवाह के समक्ष आरोपी सूरज बारले के घर पहुंचकर घेराबंदी किया जो तलाशी पर उसके बाड़ी से लगे सैप्टीक के पास 4 नग हरा रंग के 2 लीटर वाली प्लास्टिक बॉटल में भरा 8 लीटर एवं 1 नग सफेद रंग के 2 लीटर वाली प्लास्टिक बॉटल में आधा भरा 1 लीटर कुल 9 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद कर सूरज बारले को उक्त शराब कब्जा में रखने विक्रय करने के संबंध में दस्तावेज पेश करने धारा 94 बीएनएसएस का नोटिस दिया गया जो शराब रखने बिक्री करने के संबंध में कोई दस्तावेज न होने पर उक्त बरामद 9 लीटर कच्ची महुआ शराब को गवाहों के समक्ष जप्त किया गया।

जंगली हाथी की मृत्यु पर वन विभाग ने की कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। वन परिक्षेत्र अधिकारी छाल के सूचनानुसार वृत्त वन अधिकारी (परिक्षेत्र सहायक) बनहर अंतर्गत कीदा परिसर के कक्ष कमांक 586 आर एफ स्थानीय नाम काजूबारी नवानार में 01 नग वन्यप्राणी नर शावक (नवजात) हाथी मृत अवस्था में पाया गया है। जिसकी सूचना परिक्षेत्र सहायक बनहर द्वारा वन परिक्षेत्राधिकारी छाल को सूचित किया गया। परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा वन कर्मचारियों को घटना स्थल में पहुंचने हेतु निर्देशित किया गया तथा उप वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ को उक्त घटना की जानकारी दिया। उप वनमंडल अधिकारी के मौका स्थल पर पहुँचने के पश्चात मौका जांच किया गया। पशु चिकित्सा अधिकारियों के गठित दल को शव परीक्षण करने हेतु सूचित किया गया। वन अपराध प्रकरण जारी किया गया।

उप वनमंडलाधिकारी धरमजयगढ़ द्वारा वन परिक्षेत्राधिकारी छाल एवं अधिनस्थ वन अमलों के साथ घटना स्थल का मौका निरीक्षण किया गया। मौका निरीक्षण में आस-पास किसी प्रकार का कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट अनुसार शावक (नवजात) हाथी उम्र 01 दिन की मृत्यु सामान्य स्वाभाविक मृत्यु होना पाया गया है। जिला स्तरीय गठित पशु चिकित्सक समिति के द्वारा मृत जंगली हाथी के शव का विच्छेदन वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समक्ष किया गया एवं विषरा जांच हेतु मृत हाथी के अंगों का सैम्पल तैयार किया गया। तत्पश्चात् विधिवत् गड्ढा खोदकर मृत हाथी के शव का कफन-दफन किया गया।

शादी का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। जगदलपुर के बड़ाजी थाना क्षेत्र के छापर भानपुरी में एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने पहले युवती को बहला फुसलाकर मिलने के लिए बुलाया और फिर उसके साथ दरिंदगी की।

जगदलपुर के बड़ाजी थाना क्षेत्र के छापर भानपुरी में एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने पहले युवती को बहला फुसलाकर मिलने के लिए बुलाया और फिर उसके साथ दरिंदगी की। घर पहुंचने पर युवती ने सारी बात परिजनों को बताई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले की जानकारी देते हुए बड़ाजी थाना प्रभारी रवि बैगा ने बताया कि छापर भानपुरी निवासी श्यामलाल कश्यप 19 वर्ष जो कुली मजदूरी का काम करता था, उसने अपने गांव की ही एक युवती से पहले दोस्ती की और फिर उसे प्रेमजाल में फंसाकर मिलने बुला लिया। श्यामलाल ने युवती से शादी का झूठा वादा किया। आरोपी के द्वारा युवती को फोन कर मिलने के लिए बुलाया। युवती मिलने के लिए जैसे ही आई युवक ने उसे अपने रिश्तेदार के घर गोमियापाल ले गया। जहां चार दिनों तक उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म करने के बाद उसे छोड़ दिया। युवती अपने घर पहुंच परिजनों को अपने साथ हुए हादसे के बारे में बताया। परिजनों ने बड़ाजी थाना में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामले में सक्रियता दिखाते हुए 24 घंटे के अंदर आरोपी को धर दबोचा और उसे जेल भेज दिया।

चौराहे पर दुर्घटना पुलिस व निगम अपनी जवाबदारी तय करें : वरुण पांडे

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनादगांव। भाजपा नेता वरुण पांडे ने जनहित का मुद्दा उठाते हुए प्रशासन का ध्यान आकर्षण करते हुए कहा है कि महावीर चौक के पास बड़ी-बड़ी गाड़ियों को मोड़ने में दिक्कत होती है

आए दिन इस चौक पर दुर्घटना होती रहती है निगम प्रशासन और पुलिस इस समस्या से कैसे निजात पाया जाए इस पर दोनों विभाग तत्काल प्रभाव से कम करें ताकि दुर्घटना होने से बचा जा सके महावीर चौक अग्रवाल कैंटीन के पास खैरागढ़ से आने वाली बड़ी चौक में छोटी गाड़ियों को एक्सीडेंट का शिकार होना पड़ता है ट्रक ने कार वाले को ठोक दिया अक्सर उनको मोड़ने में तकलीफ होती है जिसके कारण हादसे होते हैं बड़ी गाड़ियां जैसे ट्रेलर हाईवे लग्जरी बसें जब यह खैरागढ़ से महावीर चौक से दुर्ग की तरफ मुड़ती है तो वाहन चालकों को काफी दिक्कत होती है

मोड़ने में अग्रवाल कैंटीन के पास और ब्रिज के नजदीक होने के कारण इनको काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है जिसके कारण अधिकतर यहां दुर्घटना होते ही है भाजपा नेता वरुण पांडे का कहना है कि नगर निगम और पुलिस विभाग इस ग्राउंड में आकर समीक्षा करें और इस समस्या से कैसे निजात पाया जाए इस पर जल्द एक्सन ले प्रशासन अगर प्रशासन इसपर फैसला नहीं लेती तो भाजपा नेता वरुण पांडे वह खुद नगर निगम और पुलिस प्रशासन के साथ अपना प्लान ग्राउंड पर बताएंगे जिससे की दुर्घटना को रोका जा सके।

छत्तीसगढ़ में 53 एएसआई बने एसआई, डीजीपी ने जारी किया आदेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में बड़ी संख्या में सहायक उपनिरीक्षकों का प्रमोशन हुआ है। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने प्रदेश के अलग अलग जिलों में पदस्थ 53 एएसआई को एसआई प्रमोट किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि एएसआई से एसआई प्रमोट हुए सभी पुलिस कर्मियों का तबादला आदेश पृथक से जारी किया जाएगा।

दो सगे भाइयों की सड़क हादसे में हुई मौत

गरियाबंद। जिला मुख्यालय से सात किलोमीटर दूर सड़क दुर्घटना में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार नगरी वार्ड नंबर दो निवासी गजेंद्र नेताम और दयालु नेताम दोनों मोटरसाकिल से तीजा लेने अपनी बहन के घर कोड़ो हरदी जा रहे थे। इसी दौरान कोड़ो हरदी तिराहा मोड़ के पास किसी अज्ञात गाड़ी ने इनके बाइक को इतनी बुरी तरीके से ठोकर मार दिया जिससे मौके पर ही दोनों युवकों की मौत हो गई।युवकों की उम्र लगभग 20 से 22 वर्ष की बीच बताया जा रहा है। मृत युवक का नाम गजेंद्र नेताम दयालु नेताम जो की ग्राम नगरी निवासी है फिलहाल दुर्घटना का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस से मिली जानकरी के अनुसार प्रथम दृष्टिया से ऐसा प्रतीत हो रहा है किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से इन बाइक सवार युवकों की मौत हुई है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग बालोद

टेन्ट/शमियाना दर आमंत्रण सूचना

दर आमंत्रण विज्ञप्ति क्रमांक 4450 /टेन्ट/2024-25/बालोद दिनांक 30.08.2024

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के दौरान समय-समय पर आवश्यक टेन्ट/शमियाना कार्य के लिये पंजीकृत संस्थान (शॉप एक्ट पंजीयन एवं जी.एस.टी. पंजीयन) से निविदा प्रपत्र-बी (आयटम दर निविदा) में निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 16.09.2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
2. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 24.09.2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि :- 25.09.2024अपरान्ह 11.30 बजे तक

अमानत राशि	रू. 2,00,000/- (अनुसूचित बैंक का एफ.डी.आर.)
स्वीकृत दर	दिनांक 31.03.2025 तक के लिए मान्य होगा।
निविदा प्रपत्र मूल्य	रू. 750/-
दर अनुसूची	अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग मंडल दुर्ग ज्ञाप क्र. 1916/सा/2022 दुर्ग दिनांक 13.03.2023 द्वारा स्वीकृत दर (टेन्ट, शमियाना हेतु) अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग (वि/या) रायपुर मंडल रायपुर ज्ञाप क्रमांक 2015/सा/विविध -09/2018-19 दिनांक 27.10.2021 द्वारा स्वीकृत दर (माईक, लाईट हेतु) (उपरोक्त दर जी.एस.टी सहित है)

टीप :- शेष नियम एवं शर्ते कार्यालय से प्राप्त करें।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि.(भ/स) संभाग बालोद

जी-242502171/4

उत्कल बाहुल्य जिलों में नुआखाई पर अब अवकाश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की घोषणा, उत्कल सामाजिक भवन के लिए मिलेगी जमीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के गॉस मेमोरियल मैदान में महापर्व नुआखाई के अवसर पर उत्कल गाड़ा समाज द्वारा आयोजित भव्य शोभा यात्रा के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए ऋषि पंचमी-नुआखाई के दिन उत्कल समाज की बहुलता वाले जिलों में अवकाश की घोषणा की। उन्होंने समाज की मांग पर उत्कल समाज को राजधानी रायपुर में सामाजिक भवन के लिए जमीन उपलब्ध कराने और बूढ़ी मां मंदिर के जीर्णोद्धार की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने समाज को यह भी आश्वस्त किया कि उत्कल गाड़ा समाज के विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनाने में आ रही दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, उत्कल समाज के संत उदयनाथ महाराज और गगन बिहारी महाराज, रायपुर नगर निगम महापौर एजाज ढेबर सहित उत्कल गाड़ा समाज के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने उत्कल गाड़ा समाज को नुआखाई की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि नुआखाई के पांच दिन पहले ही समाज द्वारा भव्य शोभा यात्रा का आयोजन नुआखाई को लेकर उनके उत्साह और समाज की एकजुटता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति के लिए यह आवश्यक है कि समाज बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें। अपने बेटा-बेटियों को पढ़ाएं। युवा पीढ़ी नशा-पान की सामाजिक बुराई से दूर रहे। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि समाज की उचित मांगों को पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओड़िशा हमारा पड़ोसी राज्य है। ओड़िशा के साथ छत्तीसगढ़ का गहरा नाता है। ओड़िशा के साथ हमारा गहरे सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। नुआखाई उत्कल समाज का प्रमुख त्यौहार है, तो छत्तीसगढ़ में भी नुआखाई का बड़ा महत्व है। आदिवासी समाज भी नई फसल आने पर नुआखाई का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाता है। नुआखाई पर नई फसल घर ले जाकर पूजा-अर्चना की जाती है। इससे चावल और चुड़ा बनाकर अपने ईष्ट देव को अर्पित कर अच्छी फसल, सुख-समृद्धि और सुखमय जीवन की कामना करते हैं।

मुख्यमंत्री ने पिछले आठ महीनों में नई सरकार द्वारा मोदी जी की गारंटी को पूरा करने के लिए किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जब भी प्रदेश के दौरे पर जाते हैं, तो लोगों का यह कहना रहता है कि राज्य सरकार सांय-सांय काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नई सरकार ने आठ माह में ही 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर पर खरीदा गया।

राज्य सरकार ने 24.72 लाख किसानों से 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की। तीजा-पोरा पर्व के आयोजन पर 70 लाख से अधिक माता-बहनों के खाते में महतारी वंदन योजना की सातवीं किस्त की एक-एक हजार रूपए की राशि जारी की गई। उन्होंने कहा कि रामलला योजना के अंतर्गत हर आठ-दस दिन में 850 श्रद्धालुओं को शासन के खर्च पर रामलला के दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। वनवासी क्षेत्रों में तेन्दूपत्ता की खरीदी 4000 रूपए से बढ़ाकर 5500 रूपए प्रति मानक बोरा की दर से खरीदा गया। पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है। शराब, कोयला और नान घोटाले की भी जांच हो रही हैं। अपराधी जेल भेजे जा रहे हैं।

उत्कल समाज के संत उदयनाथ महाराज और गगन बिहारी महाराज सहित विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए समाज को नुआखाई की शुभकामनाएं दी। समाज के पदाधिकारियों ने समाज की मांगों से मुख्य अतिथि को अवगत कराया। इस अवसर पर उत्कल समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वैज्ञानिकों ने बनाया बायोमार्कर किट

कोविड की गम्भीरता का पहले ही लगा लेना अनुमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश में स्वास्थ्य अनुसंधान अधोसरंचना को विकसित एवं सुदृढ़ करने के उद्देश्य से डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में स्थापित मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (एमआरयू/ बहु विषयक अनुसंधान इकाई) के वैज्ञानिकों की टीम ने ऐसा बायोमार्कर किट विकसित किया है जो कोविड-19 महामारी संक्रमण की गंभीरता का अनुमान प्रारंभिक चरण में ही लगा लेगा। कोविड-19 के प्रारंभिक चरण से प्रारंभ किये गये इस शोध के परिणाम हाल ही में विज्ञान पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुई है जो प्रतिष्ठित नेचर प्रकाशन समूह द्वारा प्रकाशित किया गया है। रिसर्च के क्षेत्र में यह दुनिया का 5वां सबसे अधिक संदर्भित किया जाने वाला रिसर्च जर्नल है।

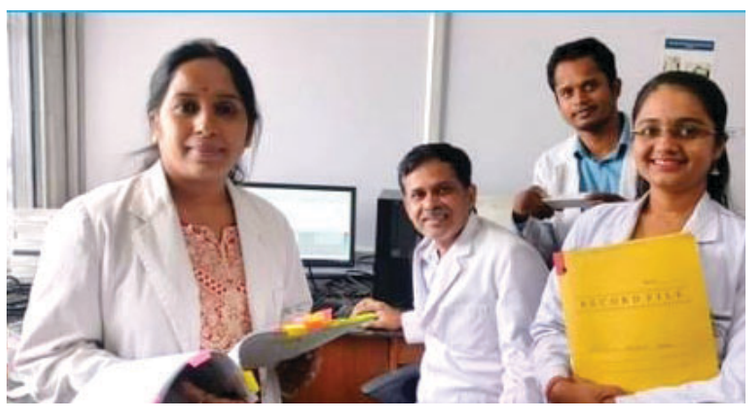

महामारी की शुरुआत में, जबकि देश के कई प्रमुख वैज्ञानिक नए कोविड-19 डायग्नोस्टिक टेस्ट किट विकसित करने में जुटे हुए थे, रिसर्च पब्लिकेशन के करेस्पोंडिंग लेखक(प्रिसिंपल इन्वेस्टिगेटर) डॉ. जगन्नाथ पाल (एमबीबीएस, पीएचडी, हार्वर्ड कैंसर संस्थान (बोस्टन यूएसए) से पोस्टडॉक. की उपाधि प्राप्त) वरिष्ठ वैज्ञानिक, एमआरयू, ने कोविड-19 महामारी के प्रबंधन के उपरोक्त बुनियादी मुद्दे की दिशा में विचार करना शुरू किया, जो भविष्य में किसी भी महामारी की स्थिति से निपटने के लिए भी उपयोग में आ सकता है।

कोविड-19 प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर किट (प्रारंभिक स्तर में रोग की गंभीरता का पूर्वानुमान) को विकसित करने वाले प्रमुख वैज्ञानिक एवं टीम लीडर डॉ. जगन्नाथ पाल के अनुसार, कोरोना महामारी के प्रारंभिक चरण में संसाधन एवं एंटी-वायरस दवाओं का बहुतायत मात्रा में प्रयोग हुआ, जिससे गंभीर दवा संकट के साथ-साथ रेमडेसिवीर जैसी जीवन रक्षक दवाओं का संकट भी उत्पन्न हुआ। शुरुआती चरण में यह पता लगाना मुश्किल होता था कि किन कोरोना रोगियों को मेडिकल की अग्रिम सुविधा की आवश्यकता है अथवा नहीं ? इसलिए पूर्वानुमानित परिणाम के आधार पर रोगियों के संक्रमण की गंभीरता को अलग-अलग श्रेणी में विभाजन करना आवश्यक था जिससे कि इन संसाधनों का गंभीर कोरोना रोगियों में उपयोग किया जा सके, परन्तु उस समय कोई भी ऐसा टेस्ट/जांच उपलब्ध नहीं था जिससे कि प्रारंभिक चरण में ही कोरोना रोगियों की गंभीरता का पता चल सके।

तीन साल के अथक परिश्रम से मिली सफलता

डॉ. पाल के नेतृत्व में एमआरयू रिसर्च टीम ने उपलब्ध सीमित संसाधन का उपयोग करके इस दिशा में काम करना शुरू किया और अंततः बायोमार्कर किट विकसित करने में सफलता हासिल कर ली, जिसका उपयोग करके कोरोना के गंभीरता की भविष्यवाणी प्रारंभिक चरण में ही की जा सकती है। इस शोध कार्य में वैज्ञानिकों ने क्यू पीसीआर आधारित टेस्ट का उपयोग करके एक सीवियरिटी स्कोर विकसित किया जिनकी संवेदनशीलता 91 प्रतिशत और विशेषता 94 प्रतिशत है। इस शोध दल में एक अन्य एमआरयू वैज्ञानिक डॉ. योगिता राजपूत, पेपर की पहली लेखिका ने विभिन्न विभागों के अन्य बहु-विषयक योगदानकर्ताओं के साथ समन्वय करते हुए चुनौतीपूर्ण परियोजना को मूर्त रूप में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. पाल के आविष्कार के संभावित व्यावसायिक मूल्य को ध्यान में रखते हुए पं. जे.एन.एम मेडिकल कॉलेज ने भारतीय पेटेंट के साथ- साथ अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए भी आवेदन किया है। डॉ. पाल के अनुसार, हाल ही में अमेरिका की पेटेंट सर्च एजेंसी ने अमेरिका में आविष्कार के संभावित व्यावसायिक महत्व को दर्शाते हुए उत्साहजनक रिपोर्ट प्रदान की है।

पीएम ग्रामीण आवास योजनाः छत्तीसगढ़ में बनेंगे साढ़े 8 लाख आवास, सीएम साय ने जताया मोदी का आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य को भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 8,46,931 आवासों की स्वीकृति मिली है। इसमें एसईसीसी 2011 की सूची के अनुसार 6,99,331 आवास और आवास प्लस सूची के अनुसार 1,47,600 आवास शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बड़ी संख्या में आवास की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। इसके लिए उन्होंने

ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का भी धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत यह स्वीकृति छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन स्तर को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस योजना के तहत लाखों परिवारों को अपने घर का सपना साकार होगा, जिससे उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा का भाव उत्पन्न होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ को प्राप्त यह आवास की स्वीकृति हमारे राज्य के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

नहर मुआवजे का मिला चेक तो किसानों ने दिया सीएम साय को धन्यवाद

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। खेती किसानी में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूती मिले इसके लिए पत्थलगांव क्षेत्र के किसानों को विगत दिवस जल संसाधन विभाग द्वारा निर्मित नहर के मुआवजा राशि का वितरण कृषकों को किया गया।

पत्थलगांव क्षेत्र के किसानों को नहर निर्माण के लिए मुआवजा राशि वितरित की गई। डूमरबहार, बिलडेगी और सूरजगढ़ के लगभग 200 किसानों को 46 लाख 43 हजार 951 रुपए के चेक दिए गए। यह राशि किसानों को विधायक श्रीमती गोमती साय द्वारा वितरित की गई। राशि मिलने पर किसानों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार ने सरकार द्वारा भूमिहीन किसानों को दीनदयाल उपाध्याय कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत 10,000 रुपये वार्षिक सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, अंत्योदय और प्राथमिकता राशनकार्डधारी 68 लाख परिवारों को आगामी पांच वर्षों तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण का भी निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार ने अपने वादों को पूरा करते हुए किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ की मान से धान की खरीद की है।

3 आवर्धन जलप्रदाय योजना के लिए 53.85 करोड़ स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीजापुर जिले के विकासखंड भैरमगढ़ के ''भैरमगढ़ नगर की आवर्धन जलप्रदाय योजना'' की पुनरीक्षित लागत 20 करोड़ 85 लाख 47 हजार रूपए की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति प्रशासकीय स्वीकृति में आकस्मिक शुल्क 1 प्रतिशत की पूर्व स्वीकृति 15.78 लाख रूपए तक सीमित करने की शर्त पर प्रदान की गई है। इस योजना का वित्तीय ढांचा 70 प्रतिशत अनुदान एवं 30 प्रतिशत ऋण पर आधारित होगा।

अवर सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस योजना को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा। योजना के कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण के पूर्व कार्य विभाग के प्रावधानों के तहत् विस्तृत प्राक्कलन बनाकर सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। इस योजना के पूर्ण होने के बाद संधारण एवं संचालन का उत्तरदायित्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत भैरमगढ़, जिला बीजापुर का होगा।

इसी तरह बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखंड पलारी स्थित ''पलारी नगर की आवर्धन जलप्रदाय योजना'' की पुनरीक्षित लागत 15 करोड़ 43 लाख 97 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह प्रशासकीय स्वीकृति आकस्मिक शुल्क 1 प्रतिशत की पूर्व स्वीकृति 10.55 लाख रूपए तक सीमित करने की शर्त पर प्रदान की गई है। इस योजना को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा। योजना के कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण के पूर्व कार्य विभाग के प्रावधानों के तहत् विस्तृत प्राक्कलन बनाकर सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। इस योजना के पूर्ण होने के बाद संधारण एवं संचालन का उत्तरदायित्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत पलारी, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा का होगा।

30 हजार निरक्षर बनेंगे साक्षर, विजय शर्मा ने अफसरों को दिलाई शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को कवर्धा में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत सबको शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने जिले के तीस हजार असाक्षरों को साक्षर बनाने के उद्देश्य से सभी उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

ज्ञात हो कि प्रदेश में 1 से 8 सितंबर तक साक्षरता सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत यह शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुशीला रामकुमार भट्ट, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, कलेक्टर जनमेजय महोबे, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अधिकारी, पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, वन मंडलाधिकारी शशि कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संदीप कुमार अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी वाईडी साहू, सहायक संचालक महेंद्र गुप्ता और जिला परियोजना अधिकारी अवधेश नंदन श्रीवास्तव सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मेधावी विद्यार्थियों को बांटे चेकः उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जिले के 59 मेघावी विद्यार्थियों को स्वेच्छा अनुदान से 3 लाख 45 हज़ार का चेक प्रदान किया। कबीरधाम जिले के 59 मेघावी छात्राओं के हौसलों को उड़ान मिली है। इसमे कक्षा दसवीं के 49 मेघावी विद्यार्थी को 5-5 हजार रुपए की प्रतिमान से 2 लाख 45 हजार रुपए और कक्षा बारहवीं की 10 मेघावी विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपए की प्रतिमान से 1 लाख रुपए का चेक प्रदान किया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम में चेक प्रदान किया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और आईएएस, आईपीएस, राज्य प्रशासनिक सेवा के उच्च पदों पर जाने और डॉक्टरी एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में बेहतर कैरियर निर्माण के लिए मनोबल बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की सीख दी और कहा कि कड़ी मेहनत से ही हम सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकते है। सफलता की कोई शार्ट कट नही होता। उपमुख्यमंत्री ने कहा की आगे बढ़ने के लिए बेहतर संगति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमें नशा से दूर रहना होगा। अच्छी किताबे और साहित्य का नियमित अध्ययन करना चाहिए।

मनरेगा की छोटी सी मदद से मिली उन्नति की नई राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत् पंजीकृत श्रमिकों को न केवल रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि आजीविका के नए-नए साधन एवं सुविधाएं भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मनरेगा से किसान बीरसाय की कृषि भूमि उपजाऊ बनी, जिससे वह सब्जी की खेती कर अपनी आय बढ़ा रहा है।

मनेन्द्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी जिले के ग्राम पंचायत लाई में रहने वाले पंजीकृत श्रमिक बीरसाय के पास जो भूमि थी, वह काफी उबड़-खाबड़ या कहें किसानी के लिए पूरी तरह से अनुपयुक्त थी, उन्होंने ग्राम पंचायत से अपनी भूमि के समतलीकरण का कार्य कराए जाने हेतु आवेदन किया। उनके आवेदन को ग्राम पंचायत में आहूत ग्राम सभा के प्रस्ताव पारित होने के बाद जिला पंचायत कोरिया से स्वीकृत किया गया। कुल 95 हजार रूपए से होने वाले इस भूमि सुधार कार्य के लिए ग्राम पंचायत लाई को एजेंसी का दायित्व दिया गया। यहां बीरसाय ने स्वयं अपने गांव के अन्य श्रमिकों के साथ अपनी असमतल भूमि को कृषि के योग्य बनाया और इसकी मेढ़बंदी कराई। इस कार्य से उन्हें सौ दिवस का रोजगार भी प्राप्त हुआ जिसकी मजदूरी सीधे उनके खातों में पहुंची।

कृषि योग्य भूमि बन जाने के पश्चात् शासन से उन्होंने सब्जी उत्पादन के लिए मिलने वाली टपक सिंचाई योजना के साथ मल्चिंग खेती का लाभ लिया। अपने खेतों में बेहद कम पानी से होने वाली व्यवस्था बनाकर सब्जी की खेती प्रारंभ की। उसके पश्चात् बीरसाय अपनी मेहनत से लगातार हर मौसम में अलग-अलग सब्जी उगाकर लगभग हर माह 10 से 15 हजार रुपए की आमदनी प्राप्त कर रहा है, इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगी है। अपनी सफलता से खुश होकर बीरसाय कहते हैं कि मनरेगा से भूमि सुधार और कृषि विभाग से टपक सिंचाई का लाभ मिलने से अब उनकी रोजगार की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो गई है। अब हर सप्ताह सब्जी से अच्छी आय हो जाती है और पैसों की चिंता भी खत्म हो गई है। कुछ खेतों में वह सब्जी का उत्पादन करते हैं और बाकी खेतों में वह परंपरागत धान और गेहूं की फसल लेकर अतिरिक्त कमाई भी करने लगे हैं। भूमि समतलीकरण जैसे छोटे से काम से एक मेहनतकश श्रमिक परिवार की दशा और दिशा बदल गई।

स्कूलों से बीमार बच्चे खोजकर दी जा रही उच्च स्तरीय इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, दूरस्थ अंचल के बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत, स्वास्थ्य विभाग की 'चिरायु' टीम द्वारा स्कूलों का दौरा कर गंभीर बीमारियों से प्रभावित बच्चों का चिन्हांकन किया जा रहा है और उन्हें उच्च स्तरीय इलाज की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसी कड़ी में जशपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग के चिरायु दल द्वारा स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षण उपरांत बीमारी से प्रभावित बच्चों को सुविधानुसार निःशुल्क

दवाइयाँ और उच्च स्तरीय इलाज की सुविधा दी जा रही है। चिरायु टीम ने हाल ही में पत्थलगांव विकासखण्ड के शासकीय प्री मैट्रिक कन्या एवं बालक छात्रावास लुडेग में स्वास्थ्य परीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान कुल 21 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 6 बच्चों को आंखों से संबंधित समस्याएं, 11 को त्वचा संबंधी रोग, 2 बच्चे को पेट दर्द, और 2 अन्य बीमारियों से ग्रस्त पाए गए। चिरायु टीम ने इन सभी बच्चों को आवश्यक इलाज और दवाइयों की सुविधा प्रदान की। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य शिक्षा भी दी गई, जिसमें साफ-सफाई रखने, मच्छरदानी का उपयोग करने, उबला हुआ पानी पीने और बरसात के मौसम में होने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में बताया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950